RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 26 डिग्री
न्यूनतम तापमान 13 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 26 डिग्री
न्यूनतम तापमान 12 डिग्री
सोमवार 10 नवंबर 2025
सूर्योदय प्रातः 06:40 बजे
सूर्यास्त सांय 17:30 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 ऐसे तो ट्रंप को नहीं मिलेगा नोबेल शांति पुरस्कार

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 17 | अंक : 024 | गाजियाबाद, सोमवार 10 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

देश को बांटने की कोशिश कर रहे भाजपा-आरएसएस

एकजुट कर रहा इंडिया गठबंधनः राहुल गांधी

✷ वेबवार्ता. किशनगंज ✷

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि देश को बांटने का प्रयास कर रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा और देश को जोड़ने का संकल्प लिए हुए 'इंडिया' गठबंधन की विचारधारा के बीच इस समय सीधी लड़ाई है।

बिहार के किशनगंज में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "हम नफरत के बाज़ार में मोहब्बत की दुकान खोलना चाहते हैं। नरेन्द्र मोदी जी के खून में नफरत है, लेकिन मेरे खून में देश को एकजुट करने का जज्बा है।"

उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस समाज में डर व घृणा का माहौल बनाकर राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, "वे चाहते हैं कि लोग एक-दूसरे से डरें, नफरत करें, ताकि वे सत्ता में बने रहें।"

गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधते हुए कहा " वह बिहार आकर कहते हैं कि यहां उद्योग लगाने के लिए जमीन नहीं है। लेकिन जब अदाणी की बात आती है, तो उन्हें जमीन दी जाती है। बिहार में एक भी फूड प्रोसेसिंग यूनिट नहीं है, जबकि यहां के किसानों के पास अपार संभावनाएं हैं।"

कांग्रेस नेता ने बिहार की गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य कभी ज्ञान और शिक्षा का केंद्र था। उन्होंने कहा, "नालंदा विश्वविद्यालय दुनिया का सबसे बड़ा और प्रसिद्ध शिक्षण संस्थान था, जहां विदेश से विद्यार्थी पढ़ने आते थे। आज उसी बिहार को बेरोजगारी, गरीबी और पलायन के लिए जाना जाता है, जो अत्यंत दुखद है।"

गांधी ने कहा कि भाजपा सरकार के नौ वर्ष के शासनकाल में केवल कुछ उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने का काम हुआ है, जबकि आम जनता की स्थिति लगातार खराब हुई है। उन्होंने कहा, "वे कहते हैं कि 'सबका साथ, सबका विकास', लेकिन सच्चाई यह है कि उनका पूरा ध्यान कुछ गिने-चुने लोगों के विकास पर है।"

गांधी ने दावा किया कि बिहार की जनता इस बार भाजपा और राजग को करारा जवाब देगी और 'इंडिया' गठबंधन को भारी समर्थन मिलेगा। गांधी ने कहा, "बिहार के लोग समझ चुके हैं कि विकास केवल नारों से नहीं, नीयत और नीतियों से होता है।"

गांधी बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले कई जिलों में प्रचार कर रहे हैं। मंच पर कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सभा में भारी भीड़ उमड़ी और गांधी के भाषण के दौरान 'इंडिया जीतेगा' और 'नफरत छोड़ो, मोहब्बत से जोड़ो' के नारे लगते रहे।

ओम बिरला करेंगे पूर्वोत्तर राज्यों के 'सीपीए इंडिया सम्मेलन' का उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सोमवार को कोहिमा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र जोन-तृतीय के 22वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस दो दिवसीय सम्मेलन में आठ पूर्वोत्तर राज्यों के पीठासीन अधिकारी और विधायक भाग लेंगे।

इस सम्मेलन में नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और नगालैंड विधानसभा के अध्यक्ष एवं 'सीपीए भारत क्षेत्र जोन-तृतीय' के अध्यक्ष शारिंगेन लोंगकुमेर शामिल होंगे।

सम्मेलन का विषय 'नीति, प्रगति और जनताः परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में विधानमंडल' है और उप-विषय 'विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में विधानमंडलों की भूमिका' और 'पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में हाल में हुई बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं के आलोक में जलवायु परिवर्तन' हैं।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सीपीए भारत क्षेत्र तृतीय ने क्षेत्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने, संसदीय सर्वोत्तम चलन को बढ़ावा देने और पूर्वोत्तर के लिए 'एक्ट ईस्ट' नीति एवं बुनियादी ढांचे के विकास जैसे विशिष्ट क्षेत्रीय मुद्दों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इसकी प्रमुख उपलब्धियों में व्यापार और सहयोग के लिए भारत-आसियान दृष्टिकोण में पूर्वोत्तर क्षेत्र को शामिल करना और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने, व्यापारिक चौकियों को बढ़ाने एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान का आह्वान करना शामिल है।

बिहार के लिए चले स्पेशल ट्रेनों पर कपिल सिब्बल के सवाल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले फेज से पहले 3 नवंबर को हरियाणा से बिहार के लिए चलाए गए स्पेशल ट्रेनों पर सवाल खड़े किये हैं।

श्री सिब्बल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सवाल किया कि क्या ये ट्रेनें विशेष सेवाओं के रूप में चलाई गईं? यदि हाँ, तो इन्हें हरियाणा से अभी क्यों चलाया गया, छठ के दौरान क्यों नहीं चलाया गया?

पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, "मैं यहाँ पर एक बात पर प्रकाश डालने आया हूँ कि क्या चुनाव आयोग कोई कार्रवाई कर रहा है या भाजपा के सहयोगी के रूप में काम कर रहा है, जैसा कि कई लोग आरोप लगाते हैं।" उन्होंने कहा कि 3 नवंबर को लगभग 6 हज़ार लोगों को लेकर चार ट्रेनें हरियाणा से बिहार गईं, पहली दो करनाल से पानीपत होते हुए बरौनी और अगली दो गुरुग्राम से पटना होते हुए भागलपुर।

श्री सिब्बल ने सवाल उठाया कि ये लोग यात्रा क्यों कर रहे थे? उन्होंने कहा या तो यात्रा कर रहे लोग बिहार के असली मतदाता थे या किसी 'सुनियोजित अभियान' का हिस्सा थे। उन्होंने कहा, "मैं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से पूछता हूँ क्या ये ट्रेनें विशेष सेवाओं के रूप में चलाई गईं?"

उन्ह0ोंने फिर सवाल किया, "यदि हाँ, 0तो इन्हें हरियाणा से अभी क्यों चलाया गया, छठ के दौरान क्यों नहीं चलाया गया ?" श्री सिब्बल ने सवाल उठाया कि क्या हरियाणा के इन असली मतदाताओं को विशेष ट्रेनों की ज़रूरत थी या उन्हें ख़ास तौर पर बिहार में वोट देने के लिए भेजा गया था? उन्होंने चुनाव आयोग पर तंज कसते हुए कहा मुझे मालूम है चुनाव आयोग इस मसले पर कुछ नहीं करेगा क्योंकि चुनाव आयोग भाजपा से मिला हुआ है।

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने हरियाणा से बिहार चलाए गए स्पेशल ट्रेन के टाइमिंग पर सवाल उठाया है। उन्होंने संदेह जताया है कि बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान करने के लिए स्पेशल ट्रेन के जरिए लोगों को हरियाणा से बिहार भेजा गया है।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में बनी रही और समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 391 दर्ज किया गया है। बोर्ड के समीर ऐप के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में 24 निगरानी केंद्रों ने वायु गुणवत्ता को 'गंभीर' श्रेणी में बताया है जबकि केंद्रों ने एक्यूआई 300 से अधिक दर्ज किया है जोकि वायु गुणवत्ता को 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्शाता है। सीपीसीबी के मानकों अनुसार शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत तापमान से 2.7 डिग्री अधिक है जबकि सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता 79 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार हल्की धुंध के साथ अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

सीजेआई, एससीबीए प्रमुख ने 'वॉकथॉन' को हरी झंडी दिखाई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई और एससीबीए (सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन) प्रमुख विकास सिंह ने उच्चतम न्यायालय परिसर से इंडिया गेट तक वकीलों की 'वॉकथॉन' को रविवार को हरी झंडी दिखाई। ''सभी के लिए न्याय'' विषय पर आयोजित इस 'वॉकथॉन' का आयोजन एससीबीए ने किया है। इस कार्यक्रम में शीर्ष न्यायालय के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी, न्यायमूर्ति संजय करोल जैसे वरिष्ठ न्यायाधीश भी उपस्थित थे। इस 'वॉकथॉन' में सैकड़ों वकील भाग ले रहे हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार तीन सप्ताह में 21.87 अरब डॉलर घटा

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 31 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान 5.623 अरब डॉलर घटकर 689.733 अरब डॉलर रह गया और इससे लगातार तीन सप्ताह की गिरावट में विदेशी मुद्रा भंडार 21.869 अरब डॉलर घट चुका है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार इससे पहले 24 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में यह 6.925 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 695.355 अरब डॉलर पर रहा था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 07 नवंबर को जारी आंकड़ों के अनुसार, गत 31 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.957 अरब डॉलर घटकर 564.591 अरब डॉलर रह गया। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा जापानी येन, यूरो और ब्रितानी पाउंड को शामिल किया जाता है। डॉलर के सापेक्ष विनिमय दर के आधार पर इनका मूल्य तय होता है। आलोच्य सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार 3.81 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 101.726 अरब डॉलर पर आ गया। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 16.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.772 अरब डॉलर पर और विशेष आहरण अधिकार 1.9 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 18.644 अरब डॉलर पर रहा।

शिवराज सिंह चौहान सोमवार को ओडिशा दौरे पर, श्री अन्न प्रोत्साहन कार्यक्रम में होंगे शामिल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को ओडिशा के एक दिवसीय दौरे पर जा रहे हैं और वहां वह राज्य में किसानों की आय वृद्धि, पोषण सुरक्षा और प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

नौ नवंबर का दिन एक लंबी तपस्या का फल है : प्रधानमंत्री

✷ वेबवार्ता. देहरादून ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को उत्तराखंड राज्य स्थापना की पच्चीसवें वर्षगांठ पर आयोजित रजत जयंती समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि नौ नवंबर का ये दिन एक लंबी तपस्या का फल है और आज का दिन हम सभी को गर्व का अहसास करा रहा है।

श्री मोदी ने गढ़वाली भाषा में अपना भाषण शुरू करते हुए कहा ' दीदी भुल्यों...दाणा सयाणों। आप सभी तैं म्यार नमस्कार' ,उत्तराखंड की देवतुल्य जनता ने जो सपना देखा था वो अटल जी की सरकार में 25 साल पहले पूरा हुआ था और आज उत्तराखंड का मन प्रफुल्लित है। '

उन्होंने कहा ' उत्तराखंड आज अपना रजत जयंती वर्ष मना रहा है। मेरा उत्तराखंड से बहुत गहरा लगाव है और जब मैं यहां आता था तो लोगों की लगन, ललक मुझे प्रेरित करती थी। उसने मुझे सही मायनों में उत्तराखंड की सामर्थ्य से परिचित कराया। ये दशक उत्तराखंड का केवल वाक्य नहीं था, मुझे आप सब पर पूरा भरोसा था। ये उत्तराखंड के उत्कर्ष का कालखंड है। जब उत्तराखंड नया बना था तब चुनौतियां कम नहीं थी। संसाधन सीमित थे, बजट नहीं होता था। ज्यादातर जरूरत केंद्र की मदद से पूरी होती थी। आज तस्वीर बदल चुकी है।'

श्री मोदी ने कहा ' आज उत्तराखंड जिस ऊंचाई पर है, उसे देखकर हर उस व्यक्ति का खुश होना स्वाभाविक है, जिन्होंने राज्य के लिए संघर्ष किया था। मुझे इस बात कि खुशी है कि डबल इंजन की भाजपा सरकार उत्तराखंड के सामर्थ्य को नई ऊंचाई देने में जुटी है। मैं रजत जयंती की बधाई देता हूं। उन आंदोलनकारियों को भी श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं, जिन्होंने राज्य के गठन की मांग को लेकर अपने प्राणों का बलिदान दिया।' प्रधानमंत्री ने कहा ' 'जहां चाह वहां राह'।

हमें पता होगा कि हमारा लक्ष्य क्या है तो निश्चित ही हम आगे बढ़ेंगे। उत्तराखंड ने इसे साबित कर दिखाया है। यहां आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों की मांग बढ़ी है। यहां हर विधानसभा क्षेत्र में योग केंद्र, होम स्टे, एक कंप्लीट पैकेज बनने चाहिए। ताकि विश्व के नक्शे में उत्तराखंड का एक नया अध्याय बने।'

श्री मोदी ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल से जुड़े प्रोजेक्ट यहां विकास की यात्रा को आगे बढ़ाएंगे। उत्तराखंड सरकार अब सेब और कीवी के किसानों को डिजिटल अनुदान देना शुरू कर रही है। उत्तराखंड का हर गांव वैक्सीन के दायरे में आ गया है। प्रदेश की विकास की ये यात्रा अदभुत है। ये बदलाव सबको साथ लेकर चलने, हर उत्तराखंडी के संकल्प का नतीजा है।

उन्होंने कहा ' 2047 मा भारत तै विकसित देशों की लेन मा ल्ल्याण को मेरु उत्तराखंड मेरू देवभूमि पूरी तरह से तैयार छः।'

शेखर कपूर एआई की मदद से दोबारा बनाएंगे फिल्म 'पानी'

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

करीब एक दशक बाद चर्चित फिल्म निर्देशक शेखर कपूर अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म 'पानी' को फिर से जीवंत करने की तैयारी में हैं, लेकिन इस बार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से बनाया जायेगा।

गौरतलब है कि यह वही फिल्म है जिसमें दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को मुख्य भूमिका के लिए चुना गया था, लेकिन निर्माता यशराज फिल्म्स के हटने के बाद यह फिल्म ठंडे बश्ते में चली गई थी। शेखर कपूर ने समाचार एजेंसी को बताया कि अब वह फिल्म 'पानी' को एआई तकनीक के जरिए दोबारा बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। उनके अनुसार, 'कई लोगों ने कहा था कि यह फिल्म बहुत महंगी है। लेकिन अब मैं इसे एआई से बनाने जा रहा हूं, जो तेज़ और किफायती, दोनों है। इस बार फिल्म ज़रूर शुरू होगी।' उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म की मूल कलाकार एआई मॉडल के अनुसार बदले जा सकते हैं। निर्देशक ने अपनी दूसरी आगामी फिल्म 'मासूम 2' के बारे में भी जानकारी दी। यह 1983 में आयी उनकी ही फिल्म 'मासूम' का सीक्वल है। इसमें नसीरुद्दीन शाह और शबाना आज़मी की वापसी होगी, साथ ही मनोज बाजपेयी और कुछ नए चेहरे भी शामिल होंगे। कपूर ने बताया कि उन्होंने स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में दो साल लगाए हैं और फिल्म की शूटिंग दिसंबर या जनवरी में शुरू होने की संभावना है। फिल्म निर्माण में एआई की भूमिका पर बोलते हुए शेखर कपूर ने कहा कि यह तकनीक अब हर क्षेत्र पर छा रही है। उन्होंने कहा 'अगर आपकी कानी में अंदाजा लगाना मुमकिन हो तो एआई उसे आपसे बेहतर और जल्दी बना देगा।

राष्ट्रपति मुर्मू दो देशों की राजकीय यात्रा के तहत अंगोला पहुंचीं

✷ वेबवार्ता. लुआंडा ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपनी छह दिवसीय राजकीय यात्रा के पहले चरण में शनिवार को अंगोला पहुंचीं जिसके बाद वह पड़ोसी देश बोत्सवाना भी जाएंगी। मुर्मू आठ नवंबर से 13 नवंबर तक राजकीय यात्रा पर रहेंगी। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इस राजकीय यात्रा को अफ्रीकी क्षेत्र में दोनों देशों के साथ सहयोग और साझेदारी के विश्तार के लिए नए राश्ते खोलने के भारत के प्रयासों का हिस्सा बताया है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इन देशों की पहली राजकीय यात्रा है। अंगोला के विदेश मंत्री टेटे एंटोनियो एवं दोनों देशों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने देश की राजधानी लुआंडा स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मुर्मू का स्वागत किया।

अगले तीन दिन राष्ट्रपति यहां उच्च-श्तरीय बैठकें करेंगी। इस दौरान वह अपने अंगोलाई समकक्ष जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी और अफ्रीकी राष्ट्र की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के समारोह में भाग लेंगी। राष्ट्रपति का अंगोला की संसद को संबोधित करने और भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत करने का भी कार्यक्रम है।

विदेश मंत्रालय में सचिव (आर्थिक संबंध) सुधाकर दलेला ने बृहस्पतिवार को कहा था, ''राष्ट्रपति मुर्मू आठ से 13 नवंबर तक अंगोला और बोत्सवाना की राजकीय यात्रा पर रहेंगी। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की अंगोला और बोत्सवाना की पहली राजकीय यात्रा होगी।''

उन्होंने कहा था, ''भारत और अंगोला के बीच मैत्री और सहयोग के बहुत घनिष्ठ संबंध हैं जिनका विभिन्न क्षेत्रों में विश्तार हो रहा है। अंगोला के साथ ऊर्जा क्षेत्र में हमारी साझेदारी जीवंत है।''

उन्होंने कहा कि यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों के सम्पूर्ण आयाम की समीक्षा करने तथा कृषि, स्वास्थ्य, ऊर्जा, व्यापार एवं निवेश, प्रौद्योगिकी, अवसंरचना विकास, रक्षा और लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी।

सचिव ने कहा कि दोनों देश इस वर्ष अपने राजनयिक संबंधों की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, ऐसे में यह यात्रा और भी ''महत्व'' रखती है।

मुर्मू 11 नवंबर को अपनी यात्रा के दूसरे चरण की शुरुआत करेंगी और बोत्सवाना की राजधानी गबोरोन जाएंगी। वहां वह अपने समकक्ष ड्यूमा गिदोन बोको से मुलाकात करेंगी, राष्ट्रीय सभा को संबोधित करेंगी और 'प्रोजेक्ट चीता' के तहत भारत में चीतों के स्थानांतरण से संबंधित एक कार्यक्रम में भाग लेंगी। सचिव ने कहा, ''हमें विश्वास है कि माननीय राष्ट्रपति जी की यात्रा से अंगोला और बोत्सवाना के साथ भारत के दीर्घकालिक सहयोगात्मक संबंध और मजबूत होंगे तथा हमारी साझेदारी एवं सहयोग के विस्तार के लिए नए राश्ते खुलेंगे।"

उन्होंने कहा, ''जैसा कि मैंने पहले कहा था, यह अफ्रीकी महाद्वीप के साथ अपनी बहुमुखी साझेदारी को और मजबूत करने की भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।" इस यात्रा में राष्ट्रपति के साथ रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना और लोकसभा सदस्य प्रभुभाई वसावा और डी. के. अरुणा भी हैं।

18 वर्षीय युवक घर से लापता

✷ **एनसीआर टुडे. यमुना सिटी** ✷। जेवर के मोहल्ला सराय नैनसिंह का 18 वर्षीय बेटा श्रीकुंज शनिवार दोपहर को घर से कहीं चला गया और उसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला। तलाश करने के बाद भी जानकारी नहीं मिलने पर परिजनों ने पुलिस से शिकायत की है। पिता यशपाल वर्मा ने बताया वह कपड़ा व्यापारी हैं। बेटे के गायब होने के बाद से सभी परेशान हैं। कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया युवक की तलाश के लिए टीम गठित की जा रही है।

ताला तोड़कर गहने और सामान चुराया

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। दनकौर के चीती गांव में बदमाशों ने शनिवार देर रात एक घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये के गहने चोरी कर लिए। पीड़ित नारायण सिंह ने बताया चोरों ने पीछे के दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया। उस समय सब अंदर सो रहे थे। चोरों ने अलमारी से गहने समेत अन्य जरूरी सामान चोरी कर लिया। गहरी नींद में होने के कारण परिवार के किसी भी सदस्य को भनक भी नहीं लगी। रविवार सुबह उठने पर उन्हें चोरी का पता चला। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया केस दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से जांच की जा रही है।

मंदिर के दीए से महिला झुलसी

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। सेक्टर-50 स्थित एक सोसाइटी में रहने वाली महिला घर के मंदिर में जल रहे दिए की चपेट में आकर झुलस गई। आनन फानन में उसे उपचार के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला का उपचार चल रहा है और हालत गंभीर बताई जा रही है। सेक्टर-49 थाना प्रभारी ने बताया कि द क्रीसेंट अपार्टमेंट में 79 साल की बुजुर्ग महिला बीपी कुमारी परिवार के साथ रहती हैं। शनिवार शाम को जब वह घर में बने मंदिर में पूजा कर रही थीं, तभी दिए के दायरे में उनकी साड़ी आ गई। देखते ही देखते आग ने महिला के शरीर को झुलसा दिया। महिला के शोर मचाने पर घर के अन्य सदस्य पहुंचे और महिला को नजदीक के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घर का ताला तोड़कर गहने और नकदी चोरी

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। बरौला गांव स्थित एक घर का ताला तोड़कर चोर नकदी और गहने समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए। जिस समय वारदात हुई पीड़ित घर से बाहर था। सेक्टर-49 थाने में दी शिकायत में कुलदीप शर्मा ने बताया कि बरौला गांव में उनका घर है। कुलदीप और उनकी पत्नी दोनों नौकरी करते हैं। बीते दिनों दोनों घर का ताला बंद कर नौकरी पर चले गए। कुलदीप जब लौटे, तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है और अंदर सामान बिखरा है। तलाशी लेने पर पता चला कि चोर लाखों रुपये के गहने और नकदी चोरी कर ले गए हैं। शिकायतकर्ता ने बरौला गांव स्थित एक बिल्डिंग में काम करने वाली महिला पर चोरी का शक जाहिर किया है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। घटनास्थल के आसपास की जब सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई तो एक संदिग्ध महिला वारदात के कुछ समय पहले शिकायतकर्ता के घर की तरफ जाते हुए दिखी है।

गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। दिल्ली से गांजा लाकर शहर में बेचने वाले तस्कर को फेज वन थाने की पुलिस ने रविवार को सेक्टर नौ से गिरफ्तार कर लिया। तस्कर की पहचान सेक्टर-122 के जनता फ्लैट निवासी रवि प्रसाद के रूप में हुई है। 20 वर्षीय रवि के पास से एक किलो 150 ग्राम गांजा भी बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ फेज वन थाने में दो केस एनडीपीएस ऐक्ट के तहत दर्ज हैं। अन्य थानों से भी तस्कर का आपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह गांजे की पुड़िया बनाकर सोसाइटी, सेक्टरों, फैक्टरियों और कंपनियों के आसपास तीन गुना अधिक दाम में बेचता है।

किशोरी को अगवा कर एक माह तक किया सामूहिक दुष्कर्म, दो गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। फेज-वन थाना क्षेत्र के नयागांव की किशोरी को अगवा कर एक माह तक सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने किशोरी को दिल्ली के न्यू अशोक नगर के एक कमरे में छिपाकर रखा। पुलिस ने शनिवार शाम दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक कक्षा नौ में पढ़ने वाली लगभग 15 वर्षीय 30 सितंबर को अचानक घर से लापता हो गई।

सीमांचल में नीतीश का जादुई समीकरण जाति से ऊपर उठकर मिल रहा है समर्थन

पटना, एजेंसी।
बिहार की राजनीति दशकों से जाति के इर्द-गिर्द घूमती रही है, जहां अक्सर बड़ी जातियों के बजाय कुशवाहा, मल्लाह, मांझी जैसी छोटी जातियां भी अपने अलग नेताओं के साथ एक स्वतंत्र इकाई के रूप में उभरती हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस प्रवृत्ति का एक बड़ा अपवाद हैं। पिछले दो दशकों में नीतीश कुमार ने खुद को सिर्फ एक कुर्मी नेता (जो राज्य की आबादी का 3त्न से भी कम है) तक सीमित न रखते हुए, एक ऐसा जातीय गठबंधन बुनने में सफलता हासिल की है जो उनके व्यक्तित्व के चारों ओर केंद्रित है। यह उनकी राजनीतिक ताकत को दर्शाता है, क्योंकि अन्य प्रमुख नेता आज भी अपनी जातिगत आधार पर केंद्रित हैं।

बिहार की राजनीति में आरजेडी के तेजस्वी यादव को मुख्य रूप से यादवों का नेता माना जाता है। चिराग पासवान मुख्य रूप से दुसाध समुदाय के नेता हैं। भाजपा के गिरिराज सिंह, सम्राट चौधरी क्रमशः भूमिहार और कुशवाहा समुदाय से जुड़े हैं।

नीतीश कुमार की यह व्यापक अपील इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि

कुर्मी होने के नाते उन्हें जातिगत मोर्चे पर एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद उनका ठोस पिछड़ा वोट आधार विशेष रूप से अति-पिछड़े वर्गों में उनके प्रति अत्यधिक वफादार बना हुआ है। पटना से उत्तर-पूर्व के सीमांचल क्षेत्र की यात्रा के दौरान यह वफादारी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। बाढ़, सिकंदरा और कटिहार जैसे स्थानों पर मतदाताओं का कहना है कि वे विकास कार्यों के आधार पर वोट करेंगे। एक मतदाता ने कहा, जो हमको सड़क दिया, बिजली दिया, सुरक्षा दिया, उसको नहीं वोट देंगे तो किसे देंगे? धनुख समुदाय के अलावा दलित समुदायों जैसे पासवान और मांझी के लोग भी नीतीश के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त कर रहे हैं, भले ही उनके समुदाय के नेता (चिराग पासवान, जीतन राम मांझी) एनडीए गठबंधन का हिस्सा हों। कई मंडल समुदाय के लोग भी स्पष्ट कह रहे हैं कि वे स्थानीय उम्मीदवार की बजाय नीतीश बाबू के लिए वोट करेंगे। मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार ने ईबीसीको मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। 2006 में जिला परिषदों, पंचायत समितियों और ग्राम पंचायतों में ईबीसी के लिए 20त्न आरक्षण को मंजूरी दी। 2010 में ईबीसीके लिए एक नई उद्यमिता योजना शुरू की, जिसके तहत छोटे व्यवसाय स्थापित करने के लिए 10 लाख तक की सहायता दी गई। 2023 में बिहार जाति सर्वेक्षण कराया, जिसमें ईबीसी की आबादी 36त्न बताई गई। हालांकि, कुछ क्षेत्रों जैसे जमुई में कुछ कहारों (चंद्रवंशी) के बीच नीतीश थकान के संकेत मिले हैं। एक ई-रिक्शा मालिक ने पुलिस द्वारा बीपीएससी उम्मीदवार लाठीचार्ज की घटना का जिक्र करते हुए राजद नेता तेजस्वी यादव को सत्ता में लाने की इच्छा व्यक्त की। जमुई में राजद के मुस्लिम और यादव वोटों के साथ-साथ अन्य वर्गों के समर्थन से भाजपा की श्रेयसी सिंह के मुकाबले राजद के शमशाद आलम को फायदा मिल सकता है।

आईटी कंपनी के मालिक की पत्नी गिरफ्तार
पति पर दर्ज कराई थी फर्जी पॉक्सो की एफआईआर

गुरुग्राम, एजेंसी।
गुरुग्राम में आईटी कंपनी के मालिक पर फर्जी पॉक्सो केस दर्ज करवाने के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने शनिवार देर रात कंपनी मालिक की पत्नी शिवानी अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया। एसआईटी की जांच में खुलासा हुआ है कि शिवानी ने तीन आरोपियों महिला वकील गीतिका, उसके पति हर्ष और सहयोगी हनुमान को दस लाख रुपये देकर अपने पति के खिलाफ झूठा मामला दर्ज करवाया था।

एसआईटी द्वारा शिवानी को आज अदालत में पेश कर रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। एसआईटी ने शुक्रवार को मुख्य आरोपी गीतिका, हर्ष और हनुमान को गिरफ्तार किया था। ये आरोपी पिछले दो वर्षों से फर्जी पॉक्सो और दुष्कर्म के मामले दर्ज करवा कर जबरन वसूली का धंधा चला रहे थे। पूछताछ में सामने आया कि आईटी कंपनी मालिक की पत्नी से पैसे लेकर हनुमान ने 'रोहित' नाम से सेक्टर-65 थाना पुलिस में झूठा पॉक्सो केस दर्ज करवाया था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि गीतिका पहले कंपनी मालिक की वकील रह चुकी थी। उसी ने शिवानी को उकसाकर अपने पति के खिलाफ मामला दर्ज करवाने की योजना बनाई और अपने जानकार वकील के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई।

रिमांड के दौरान पुलिस ने 100 से अधिक मोबाइल नंबरों और 15 बैंक खातों की जांच की है। गीतिका और हर्ष के घर से करोड़ों रुपये, महंगे जेवरात और फर्जी दस्तावेज बरामद हुए हैं। पुलिस ने घर की 17 घंटे तक तलाशी ली, जिसमें ढाई से पांच लाख रुपये की पेंटिंग्स और महंगे एंटीक सामान भी मिले।

आरोपियों का गैंग 2023 से सक्रिय था। हर्ष, जो पहले बेकरी में डिलीवरी का काम करता था, अब इस वसूली रैकेट से करोड़ों रुपये कमा रहा था। पुलिस का कहना है कि हर्ष ने 2023 में राजस्थान के गुब्बारे बेचने वाले हनुमान से मुलाकात के बाद उसे गैंग में शामिल किया और साथ मिलकर फर्जी मुकदमे दर्ज करवाकर लोगों को ब्लैकमेल करने लगे। डीसीपी दक्षिण डॉ. हितेश यादव ने बताया कि अब तक चार गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं। शिवानी अग्रवाल से पूछताछ में साजिश की।

हिमाचल मुख्यमंत्री का बड़ा आरोप
ओपीएस बहाल होने के बाद केंद्र सरकार ने लगाया आर्थिक प्रतिबंध

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को दावा करते हुए केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल करने के बाद केंद्र सरकार ने राज्य पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए हैं। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के नादौन विधानसभा क्षेत्र के करसई में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सुक्खू ने कहा कि उनकी सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा कर रही है, लेकिन केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की तरफ से आर्थिक सहयोग में लगातार अड़चनें डाली जा रही हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हमीरपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता जयराम ठाकुर पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जयराम सरकार के कार्यकाल में हमीरपुर की पूरी तरह अनदेखी की गई। क्षेत्र के तीन विधायक होने के बावजूद किसी को भी मंत्रिमंडल में जगह नहीं दी गई। सुक्खू के आरोपों के बाद हिमचाल प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने पलटवार करते हुए कहा कि सुक्खू दिनभर झूठे दावे करते रहते हैं और अपनी असफलताओं को छिपाने के लिए झूठी कहानियां गढ़ते हैं। जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री सुक्खू ने क्षेत्र के लिए कई घोषणाएं भी कीं। सुक्खू ने कहा कि मंजहली में पटवार सर्कल और स्वास्थ्य उपकेंद्र खोला जाएगा। इसके साथ ही महिला मंडलों को ?1 लाख की अनुदान राशि और 100 कुर्सियां भी दी जाएंगी। सुक्खू ने ऐलान करते हुए कहा कि प्रत्येक महिला मंडल भवन के निर्माण के लिए ?10 लाख का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही मंजहली पंचायत की सड़कों के सुधार कार्यों के लिए ?50 लाख पहले ही स्वीकृत किया जा चुका है। सुक्खू ने कहा कि सरकार का मकसद हर पंचायत तक विकास पहुंचाना है और महिलाओं को सशक्त बनाना उसकी प्राथमिकता में शामिल है।

थार और बुलट चलाने वालों को दिमाग घूमा रहता है, हरियाणा के डीजीपी बोले- पुलिसवालों पर भी नजर है

चंडीगढ़ , एजेंसी।
हरियाणा के नए डीजीपी ओपी सिंह आजकल अपने बयानों की वजह से चर्चा में हैं। उन्होंने कहा है कि जिसके पास थार है हो सकता है कि उसमें पागलपन हो। शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वाहनों की चेकिंग करने के दौरान अधिकारियों को लोगों के साथ नम्रता से पेश आना चाहिए। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि पुलिस आम तौर पर सभी वाहनों की जांच नहीं करती है लेकिन अगर वह कोई थार है तो उसे रोकना तो बनता है।

ओपी सिंह ने कहा, अगर थार जा रही है तो हम उसे कैसे जाने दे सकते हैं। बुलट हो या फिर थार, ज्यादातर उपद्रवी लोग

इसी का इस्तेमाल करते हैं। थार चलाने वाले लोग सड़क पर स्टंट करते हैं। एक एसीपी के बेटे ने सड़क पर अपनी थार से एक शख्स को कुचल डाला। उन्होंने कहा, एसीपी चाहते थे कि उनके बेटे को छोड़ दिया जाए। हमने पूछा कि थार किसके नाम पर रजिस्टर है तो उन्होंने बताया कि बेटे के नाम पर ही है। ऐसे लोगों की गिनती उपद्रवी तत्वों में होती है।

उन्होंने कहा, हम अगर उन पुलिसवालों की ही लिस्ट बनाएं जिनके पास थार है तो पता चलेगा कि उनका दिमाग घूमा हुआ होगा। थार कोई कार नहीं है बल्कि यह बताती है कि हम क्या हैं। आप गुंडागर्दी भी करें और सोचें कि पकड़े नहीं जाएंगे तो ऐसा नहीं होगा।

बता दें कि हाल में ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं जब थार में बैठे लोग उपद्रव करते नजर आए हैं। थार से स्टंट्स करने की वजह से कई बार हादसे भी हुए हैं। कभी थार बिजली के खंबे से लड़ जाती है तो कभी कोई लड़की थार के ऊपर बैठकर रील बनवाती नजर आती है। एक शख्स थार पर चढ़कर पेशाब करता नजर आया था। इसके अलावा अकसर थार की रैश ड्राइविंग की वजह से दुर्घटनाएं भी होती रहती हैं। डीजीपी ने कहा कि अब समय आ गया है जब ऐसे रवैये पर लगाम लगाई जाए। लोग सोचने लगे हैं कि उनक पास थार है तो सड़क पर कुछ भी कर सकतेहैं। उन्होंने कहा, आजकल युवाओं और बदमाशों के बीच बुलेट और थार स्टेट सिंबल बन गए हैं। डीजीपी ने कहा कि उनका मकसद किसी को टारगेट करना नहीं है बल्कि जागरूकता फैलना है कि सड़क पर वाहन जिम्मेदारी के साथ चलाया जाए।

लाभ के लिए किए निवेश के विवाद की नहीं होगी सुनवाई

दुकान का समय से कब्जा न मिलने के विवाद को उपभोक्ता आयोग ने खारिज किया

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷

स्थायी संपत्ति में लाभ के लिए किए गए निवेश के विवाद उपभोक्ता आयोग के अंतर्गत सुनवाई की श्रेणी में नहीं आते हैं। ऐसे विवाद को जिला उपभोक्ता आयोग को सुनने का अधिकार नहीं है। ऐसे ही एक मामले में दायर वाद को उपभोक्ता आयोग ने खारिज कर दिया। आयोग के अध्यक्ष अनिल कुमार पुंडीर और सदस्य अंजु शर्मा ने सुनवाई की।

नोएडा निवासी सांध्या दयाकली शुक्ला ने वीटीसी नोएडा डेवलपमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड से 20.52 लाख रुपये में एक दुकान बुक की। उन्होंने 18.29 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। अनुबंध के अनुसार निर्धारित समय तक कंपनी ने कब्जा नहीं दिया। कंपनी की ओर से आश्वासन दिया गया था कि कब्जा न मिलने तक जमा राशि का 12 फीसदी की दर से 16,333 रुपये प्रतिमाह का रिर्टन मिलेगा। शुरू के कुछ माह के दौरान इस राशि का भुगतान किया गया लेकिन अप्रैल

2020 में बिना कारण के भुगतान करना भी बंद कर दिया गया। कई बार शिकायत की गई। शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

जनवरी 2025 तक भी यूनिट का निर्माण पूरा नहीं हुआ और शिकायतकर्ता को कब्जा नहीं मिला। बार-बार संपर्क करने के बाद भी कंपनी ने कोई उत्तर नहीं दिया। शिकायतकर्ता सांध्या ने जमा पैसा वापस करने का अनुरोध किया। पैसा वापस नहीं मिलने पर जिला उपभोक्ता आयोग में वाद दायर किया गया।

सुनवाई के दौरान पेश किए गए साक्ष्य के अवलोकन के बाद माना गया कि निवेश की गई धनराशि व्यवसायिक उद्देश्य से दी गई। आयोग ने कहा कि व्यवसायिक उद्देश्य से लेन-देन उपभोक्ता विवाद के दायरे में नहीं आता है। शिकायतकर्ता द्वारा किया गया निवेश सीधा व्यवसायिक स्थायी संपत्ति द्वारा लाभ अर्जित करने के लिए किया गया। निजी उपयोग के अथवा स्वरोजगार के लिए नहीं है। शिकायतकर्ता उपभोक्ता की परिभाषा के तहत नहीं आता है। आयोग ने वाद को निरश्त कर दिया।

ग्रेनो की हवा इस मौसम में दूसरी बार बेहद खराब

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में पिछले पांच दिनों से लगातार वायु प्रदूषण बढ़ने से हवा दमघोंटू बनी हुई है। दोनों शहरों का एक्यूआई रविवार को बेहद खराब श्रेणी में रहा। इस मौसम में ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई दूसरी बार सबसे अधिक दर्ज किया गया। नोएडा देश का तीसरा सबसे वायु प्रदूषित शहर रहा। सुबह के मुकाबले दोपहर बाद वायु प्रदूषण में मामूली कमी दर्ज की गई। सुबह 5:05 बजे नोएडा का एक्यूआई 393 था। वहीं, ग्रेटर नोएडा का 364 दर्ज किया गया था। इसके बाद वायु प्रदूषण में मामूली कमी आई। सुबह 10:05 बजे नोएडा का एक्यूआई 386 और ग्रेटर नोएडा का 359 रहा।

वहीं, शाम चार बजे तक नोएडा का औसत एक्यूआई 366 और ग्रेटर नोएडा का 340 तक दर्ज किया गया। यानि सुबह पांच बजे के बाद से शाम चार बजे तक नोएडा का एक्यूआई 27 अंक कम हुआ। ग्रेटर नोएडा के एक्यूआई में 24 अंक की कमी दर्ज की गई। इस मौसम में यहां का एक्यूआई दूसरी बार सबसे अधिक 340 दर्ज किया गया। इससे पहले दो नवंबर को भी शहर का एक्यूआई 340 रहा था। वहीं, नोएडा में इससे पहले सिर्फ एक दिन ही एक्यूआई अधिक दर्ज किया गया था। 30 अक्तूबर को शहर का एक्यूआई 372 रहा था। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी रितेश तिवारी ने बताया कि वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्राधिकरण के सहयोग से नियमित रूप से सड़कों पर पानी का छिड़काव, सड़कों की सफाई, निरीक्षण, कार्रवाई आदि कार्य किए जा रहे हैं।

एयरपोर्ट पर दिव्यांग और बुजुर्ग यात्रियों को मिलेगी विशेष सुविधा

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷

नोएडा एयरपोर्ट दिव्यांग और बुजुर्ग यात्रियों को विशेष सुविधा मिलेगी। इसके लिए एयरपोर्ट प्रबंधन एंड-टू-एंड असिस्टेंस मॉडल लागू कर रहा है। इसके लिए पार्किंग से लेकर विश्राम कक्ष तक की विशेष व्यवस्था की गई है।

एयरपोर्ट परिसर पर वाहन से पहुंचने वाले यात्रियों को पार्किंग से ही विशेष टीम रिसीव करेगी। प्रशिक्षित टीम यात्री की आवश्यकतानुसार इलेक्ट्रिक बैगी और बैगेज सपोर्ट प्रदान करेंगे। प्रत्येक टर्मिनल के भीतर विशेष विश्राम कक्ष भी बनाए गए हैं। इनमें एंटी-स्लिप फ्लोरिंग, हैंड-रेल, चौड़े दरवाजे, ब्रेल साइनज, ऑडियो-गाइड सिस्टम और आरामदायक बैठने की सुविधा होगी।

एयरपोर्ट का आर्किटेक्चर बैरियर फ्री ट्रेवल के रूप में तैयार किया गया है। असिस्टेंस सर्विस पाने के लिए यात्रियों को एयरलाइन या एयरपोर्ट पोर्टल के माध्यम से यात्रा से पहले सूचना देनी होगी ताकि एयरपोर्ट की

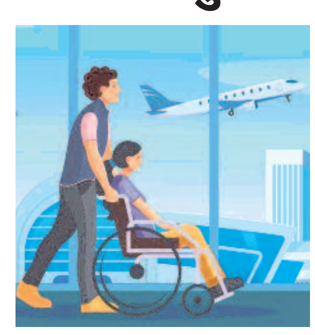

सहायक टीम दिव्यांग और बुजुर्ग यात्रियों की सुविधा के अनुसार व्हीलचेयर, बैगी और एस्कॉर्ट सर्विस की अग्रिम व्यवस्था कर सके।

डिपार्चर और अराइवल लेन-1 पर विशेष ड्रॉप-पिकअप

एयरपोर्ट ने दिव्यांग व बुजुर्ग यात्रियों के लिए समर्पित लेन तय की है। डिपार्चर लेन-1 पर यात्रियों को ड्रॉप किया जाएगा जिससे भीड़भाड़ और लंबी दूरी से बचा जा सके। आगमन पर इन यात्रियों का पिकअप अराइवल लेन-1 से किया जाएगा। इस दौरान उनके सहयोगियों को भी साथ रखा जाएगा।

गाजियाबाद के 1000 से अधिक सरकारी टीचर जांच के घेरे में आए

गाजियाबाद, एजेंसी।
आवासीय भत्ता घोटाले में गाजियाबाद जिले के एक हजार से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाएं जांच के घेरे में हैं। जांच के बाद जो भी शिक्षक इसमें संलिप्त पाए जाएंगे,उनसे रिकवरी की जाएगी और साथ ही नियमानुसार कार्रवाई भी होगी। जांच अधिकारी जिला परियोजना निदेशक प्रदीप कुमार पांडे ने बताया कि शासन स्तर पर शिकायत की गई थी कि जनपद के सरकारी स्कूलों में आवासीय भत्ते में घोटाला किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में तैनात शिक्षकों को भी शहरी आवासीय भत्ता दिया जा रहा है। इसमें विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और शिक्षक भी शामिल हैं। शासन के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी ने उन्हें मामले की जांच सौंपी।

प्राप्त सबूतों के आधार पर पता चला कि शिकायत सही है। अब तक करोड़ों रुपये शहरी भत्ते के नाम पर लिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले में एक महीने पहले बीएसए और लेखाधिकारी को पत्र लिखा था, जिसमें शहरी और ग्रामीण स्कूलों की संख्या, वहां तैनात शिक्षक और उन्हें दिए गए वेतन और भत्ते से संबंधित जानकारी मांगी थी। एक महीने से अधिक बीतने के बाद भी शिक्षा विभाग ने ब्योरा

उपलब्ध नहीं कराया। बगैर जानकारी के जांच आगे नहीं बढ़ सकती। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव का कहना है कि जांच में सहयोग किया जा रहा है। जांच रिपोर्ट के आधार पर जितने भी शिक्षक इसमें शामिल होंगे, उनसे रिकवरी की जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अब तक करोड़ों का चूना लगा चुके : बताया जा रहा है कि अवैध रूप से आवासीय भत्ते के भुगतान का यह खेल सालों से चल रहा है। आरोप है कि करीब एक दशक से चल रहे इस खेल में सरकारी खजाने को करोड़ों को चूना लगाया जा चुका है।

ग्रामीण शिक्षकों पर दोगुना भत्ता लेने का आरोप: नियमानुसार शहर की परिधि से आठ किलोमीटर के दायरे में स्थित स्कूलों में तैनात शिक्षकों को लगभग साढ़े पांच हजार रुपये शहरी आवासीय भत्ता दिया जाता है, जबकि ग्रामीण स्कूलों के शिक्षकों को इससे आधा लगभग ढाई से तीन हजार रुपये आवासीय भत्ते के रूप में मिलते हैं। आरोप है कि कुछ अधिकारी-कर्मचारियों की मिलीभगत से ग्रामीण स्कूलों के शिक्षक शहरी शिक्षकों जितना आवासीय भत्ता ले रहे हैं।

दादी के साथ सोई थी 4 साल की मासूम, अपरहण करने के बाद हुआ रेप

कोलकाता , एजेंसी । कोलकाता में मासूम का अपहरण करने के बाद बलात्कार की घटना सामने आई है । पुलिस ने बताया कि शुक्रवार देर रात 4 साल की बच्ची को उसकी दादी के बगल में सोते समय अपहरण कर लिया गया और फिर उसका यौन शोषण हुआ । पीड़िता बंजारा समुदाय से है । वह तारकेश्वर रेलवे शेड में मच्छरदानी के अंदर चारपाई पर सो रही थी । परिवार का दावा है कि हमलावर मच्छरदानी काटकर बच्ची को उठा ले गया । अगले दिन दोपहर में बच्ची को तारकेश्वर रेलवे हाई ड्रेन के पास खून से लथपथ हालत में पाया गया । दादी ने फटी हुई मच्छरदानी दिखाते हुए और रोते हुए कहा, वो मेरे साथ सो रही थी । सुबह करीब 4 बजे किसी ने उसे उठा लिया । मुझे पता ही नहीं चला । मुझे नहीं मालूम कौन लोग थे जो उसे ले गए । उन्होंने मच्छरदानी काटी और बच्ची को ले गए । जब मिली तो वो नंगी हालत में थी । उन्होंने कहा कि हम सड़क पर रहते हैं क्योंकि हमारे घर तोड़ दिए गए । अब हम जाएं तो कहां जाएं ? हमारे पास कोई घर नहीं है । गंभीर हालत में बच्ची का इलाज तारकेश्वर ग्रामीण अस्पताल में चल रहा है । पुलिस ने क्कह्रष्टस्ह्र एक्ट के तहत स्नढ्ढक्रदर्ज कर ली है । इस बीच, बीजेपी ने ममता बनर्जी सरकार पर हमला बोला है । विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने एक्स पर पोस्ट किया, तारकेश्वर में 4 साल की बच्ची के साथ बलात्कार हुआ ।

छेड़छाड़ के विरोध तेजाब डालने की धमकी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर में हरियाणा की सोनीपत की महिला परिवार सहित मोदीनगर की एक कॉलोनी में रहती है। महिला का आरोप है कि एक युवक उसके साथ छेड़छाड़ करता है। विरोध करने पर आरोपी चेहरे पर तेजाब डालने की धमकी भी दे रहा। आरोपियों ने घर में घुसने का भी प्रयास किया। एसीपी मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि रॉकी, बच्चू सिंह निवासी गांव फफराना, अंकुर और एक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

संदिग्ध हालात में किशोरी लापता

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के निवाड़ी थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी 14 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए निवाड़ी थाने में तहरीर दी है। एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि पुत्री चार नवंबर को पड़ोस में जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं आई। काफी तलाश करने के बाद भी जब युवती नहीं मिली तो थाने में तहरीर दी। पुलिस ने किशोरी की तलाश के लिए पुलिस की टीम लगाई गई है।

एमएमजी अस्पताल में दो संकाय शिक्षण कोर्स को मंजूरी मिली

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। जिले के एमएमजी अस्पताल में दो संकाय के मेडिकल शिक्षण कोर्स की मंजूरी मिल गई है। अस्पताल में नेत्र रोग विभाग और इमरजेंसी मेडिसिन विभाग में डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड) कोर्स के डॉक्टरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए अस्पताल ने आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एमएमजी अस्पताल में रोजाना 2500 मरीज ओपीडी में उपचार के लिए पहुंचते है। इनमें से 250 से ज्यादा मरीज नेत्र रोगों से संबंधित उपचार के लिए आते हैं। जबकि इमरजेंसी में पूरे दिन 300 से ज्यादा मरीज पहुंचते हैं। इसको देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने नेत्र रोग विशेषज्ञ और इमरजेंसी मेडिसिन संकाय के लिए डीएनबी कोर्स के लिए आवेदन किया था।

वाहन चलाते समय यातायात नियमों का करें पालन

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। यातायात माह के अंतर्गत ट्रैफिक पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर अभियान चलकर वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी। इस दौरान वाहन चालकों को बताया कि अगर यात्रा नियमों का पालन करेंगे तो हम सुरक्षित रहेंगे। साथी यातायात नियमों संबंधित कंप्लेंट भी वितरित किए। टीएसआई विनय शर्मा ने वाहन चालकों को प्रतिज्ञा दिलाते हुए कहा कि हमेशा सड़क पर सदैव यातायात नियमों का पालन करें। दो पहिया वाहन चलाते समय स्वयं व पीछे बैठे व्यक्ति को BIS मानक वाले हेलमेट अवश्य पहनेंगे व पहनायेंगे। चार पहिया वाहन चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट लगायेगें। लेन ड्राइविंग के नियमों का पालन करेंगे। तेज रफ्तार से वाहन नहीं चलायेंगे। गलत दिशा में वाहन नहीं चलायेंगे। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करेंगे। शराब पीकर या नशे की हालत में कभी भी वाहन नहीं चलाएंगे। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद हेतु सदैव तत्पर रहेंगे। इस दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले दो पहिया वाहन चालकों के चालान भी काटे गए।

सूर्य सोलर पावर के ऑफिस का व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के जिला अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। झालू रोड पर सूर्या सोलर पावर के ऑफिस का शुभारंभ व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के जिला अध्यक्ष राजकुमार गोयल द्वारा फीता काट कर किया गया। तत्पश्चात एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजकुमार गोयल एवं संचालन जिला महामंत्री खगेश कुमार शर्मा ने किया। जिला संरक्षक अनिल कांबोज जी ने सोलर पैनल के बारे में विस्तार से चर्चा की। जिला अध्यक्ष ने सोलर पैनल गरीबों तक कैसे पहुंचे इसके टिप्स प्रोपराइटर विक्रांत गोस्वामी को दिए। विक्रांत ने सोलर से होने वाली बिजली की बचत और लाभ के बारे में विस्तार से बताया। जिला उपाध्यक्ष संजीव चौधरी ने भी संगठन के विस्तार पर चर्चा की और झालू रोड इकाई का गठन किया गया। विक्रांत गोस्वामी इकाई अध्यक्ष वासुदेव इकाई उपाध्यक्ष रोहित कुमार इकाई महामंत्री शिवम चौधरी सदस्य शुभम गुप्ता सदस्य विशाल शर्मा सदस्य अमित अग्रवाल को जिला शहर संगठन मंत्री मनोनीत किया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारी एवं सदस्यों को जिला अध्यक्ष जिला महामंत्री जिला उपाध्यक्ष जिला संगठन मंत्री एवं जिला संरक्षक जी द्वारा माला पहना कर स्वागत किया। कार्यक्रम में जिला संगठन मंत्री प्रदीप अग्रवाल, नगर संरक्षक आर के सहरावत, संजू शर्मा, अंकित गोयल, मनोज सचदेवा, अशोक कुमार शर्मा, विनीत कुमार, पंकज शर्मा, विकास देव आदि मोजूद रहे।

मंदिर के दान पात्रो में चोरी 24 घंटे में चोर गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर के मौहल्ला चौधरियान स्थित प्रसिद्ध शिव नारायण मंदिर में शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने दानपात्र तोड़कर उसमें रखी नकदी चोरी कर ली।

रविवार सुबह जब मंदिर समिति के अध्यक्ष मधुसूदन चौधरी सफाई कर रहे थे। , तो दानपात्र टूटा हुआ देखकर हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची और जांच शुरू कर दी।

बताया गया कि दानपात्र लंबे समय से नहीं खोला गया था, जिससे उसमें काफी धनराशि जमा थी। पुलिस ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए हैं। झालू चौकी प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि "एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। नगर वासियो नेपुलिस की तत्परता से खुली दो मंदिरो की चोरी के खुलासे पर पुलिस टीम की जमकर प्रशंसा की है। "

बताया जाता है कि शातिर चोर ने एक घटना को दिन में तो दूसरी को रात में अंजाम दिया था। चोरी की घटनाओ में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए त्वरित कार्रवाई की है। श्रद्धालुओं ने लगातार हुई मंदिरों में चोरी की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की और पुलिस से रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने तथा मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। नगरवासियों से चौकी प्रभारी की अपील,घरों पर भी लगवाएं सी सी टी वी कैमरे लगवाने की पुरजोर अपील की है। साथ ही चोकी प्रभारी कुलदीप कुमार ने व्यापारियों से भीअपील की कि वे अपने प्रतिष्ठानों और घरों के बाहर सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगवाएँ। उन्होंने कहा कि इससे किसी भी घटना की जानकारी तुरंत मिल जाती है और अपराधियों की पहचान व गिरफ्तारी में आसानी होती है।

पुलिस सदैव सतर्क रहती है और नागरिकों को भी सतर्क रहने की आवश्यकता है। किसी क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें।

नगर में पुलिस की बढ़ती सक्रियता से अपराधियों में खौफ है और श्रद्धालु तथा नागरिक पुलिस की कार्यप्रणाली से संतुष्ट नजर आ रहे हैं।

युवक पर किशोरी के अपहरण का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लिंक रोड थाना क्षेत्र से एक किशोरी का अपहरण कर लिया गया। आरोप दूसरे

समुदाय के युवक पर लगा है।

पुलिस ने पीड़ित पिता की शिकायत पर आरोपी और उसके मौसा-मौसी के खिलाफ किशोरी के अपहरण का केस दर्ज किया है। साहिबाबाद गांव में किराए पर रहने वाले पीड़ित पिता के अनुसार उनकी 13 वर्षीय बेटी निजी स्कूल में पढ़ रही है। जिस मकान में पीड़ित परिवार रहता है, उसी में जलालुद्दीन भी पत्नी नगमा के साथ रहता है। दोनों आरोपी सलमान के मौसा-मौसी हैं। सलमान कई साल से अपनी मौसी के यहां पर आ रहा है।

यहां पर रहने के दौरान वह उनकी बेटी की रेकी करता था। जब उनकी बेटी स्कूल जाती थी, तब भी वह पीछा करता था। आठ नवंबर को आरोपी सलमान उनकी बेटी का अपहरण कर ले गया। इसमें आरोपी के मौसा-मौसी ने पूरा सहयोग किया है। जब आरोपी के मौसा-मौसी से बात की गई, तो वह गुमराह करने लगे। बाद में ये दोनों भी फरार हो गए। तीनों पर शक गहराने के बाद पीड़ित पिता ने थाने में तहरीर दी।

एसपी नगर निमिष पाटील ने बताया कि किशोरी के अहपरण का केस दर्ज कर लिया गया है।

मुनाफे का झांसा देकर साढ़े 30 लाख ठगे

खोड़ा कॉलोनी निवासी व्यक्ति के साथ धोखाधड़ी केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही पुलिस

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साइबर अपराधियों ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर खोड़ा कॉलोनी में रहने वाले व्यक्ति से साढ़े 30 लाख रुपये ठग लिए। जालसाजों ने ऑनलाइन मुनाफा दर्शाकर पीड़ित को जाल में फंसाया और मोटी रकम ट्रांसफर करा ली। पीड़ित ने साइबर थाने में केस दर्ज कराया है, जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

खोड़ा कॉलोनी के भारत नगर में रहने वाले बाल किशन शर्मा ने साइबर थाने में दी शिकायत में कहा कि एक अज्ञात नंबर के जरिये उन्हें इंडिया प्रो ट्रेडर्स-56 नामक व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया।

इसके बाद डॉ. जितेंद्र बहादुर नाम के व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया और बताया कि वह अल्फा अलायंस नामक कंपनी में कार्यरत है, जो एक ट्रेडिंग ऐप के माध्यम से रोजाना दस से बीस फीसदी सर्किट स्टॉक में निवेश कर 15 से 20 फीसदी मुनाफा कमाती है।

बाल किशन शर्मा के मुताबिक आकर्षक लाभ के झांसे में आकर उन्होंने गूगल प्ले स्टोर ऐप को डाउनलोड किया और डॉ. जितेंद्र बहादुर और उसके सहयोगियों के निर्देश पर कई खातों में पैसे ट्रांसफर किए। पीड़ित के अनुसार बीते 21 अगशत से 17 सितंबर के बीच उन्होंने विभिन्न बैंक खातों में कुल 30 लाख 57 हजार रुपये जमा किए।

रकम ट्रांसफर करने के बाद जब उन्होंने अपने निवेश का मुनाफा निकालने की कोशिश की तो ऐप और संबंधित व्हाट्सऐप ग्रुप अचानक बंद हो गए। इसके बाद उन्हें ठगी का अहसास हुआ और साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद साइबर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की।

एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह का कहना है कि आठ नवंबर को केस दर्ज कर लिया गया गया है। बैंक खाते और मोबाइल नंबरों के आधार पर जालसाजों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

बाग में मिला सलमान का शव

पांच माह पूर्व ही हुई थी शादी, बीती रात से था

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

आज सुबह सुबह यहां ग्राम बुडेरन में उस समय सनसनी मच गई जब यहां स्थित एक आम के बाग में स्थानीय एक युवक का शव पड़ा दिखाई दिया।

सूचना पर पुलिस में भी खलबली मच गई और तुरंत पुलिस ने मौके पर जाकर शव की शिनाख्त सलमान (22) पुत्र नफीस के रूप में हुई बताया जा रहा है ।सलमान बीती रात से घर से गायब था जिसका शव आज इस तरह बाग में मिला। शव पर चोट के निशान भी दिखाई दे रहे थे। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। मृतक सलमान की अभी 5 माह पहले ही शादी हुई थी जिसके बाद उसकी दुलहन सहित तमाम परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

पल दो पल रेस्टोरेंट का फीता काटकर उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

पल दो पल रेस्टोरेंट का उद्घाटन डॉक्टर कपिल की माता ने फीता काटकर किया।

साथ डॉक्टर कपिल में आने पुत्र का केक काटकर जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया और बेटे के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सभी ने आश्रीवाद दिया।

नगीना - धामपुर फ़ॉर लाइन हाइवे निकट सिटी डिग्री कॉलेज के पीछे पल दो पल रेस्टोरेंट का उद्घाटन डॉ. कपिल कुमार की माता ने फीता काटकर किया साथ ही डॉक्टर ने अपने पुत्र का केक काटकर जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया और सभी रिश्तेदारों व नगर क्षेत्र व आसपास के गांवों के लोगों आदि ने भी इस मौके पर डॉक्टर साहब के पुत्र को आशीर्वाद देकर उसके उज्जवल भविष्य की कामना की उधर डॉक्टर से ने कहा कि मैंने अपने पुत्र के जन्मदिन के मौके पर पल दो पल रेस्टोरेंट का उद्घाटन अपनी माता के हाथों से फीता काटकर किया जिसमें विभिन्न प्रकार की सुविधाएं जिसमें उत्तराखंड हरिद्वार देहरादून व आसपास के शहरों कोटद्वार, नजीबाबाद, बिजनौर से कोतवाली, काशीपुर, मुरादाबाद, बरेली, जसपुर आदि सभी टूरिस्टों के लिए सुबह को नाश्ते के समय में स्पेशल चाय पकौड़ा, लंच, डिनर एसी नॉन एसी कमरों की उपलब्ध दी जा रही हैं।

अपने खेत में पानी लगाने गए व्यक्ति की मौत, परिजनों में मचा हड़कम्प

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

बढ़ापुर क्षेत्र के गांव में उसे वक्त हड़कंप मच गया जब अपनी ही खेत पर पानी देने गए व्यक्ति का शव पड़ा मिला। खबर से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया सूचना ने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया

पूरा मामला आपको बता दे के बिजनौर के थाना बढ़ापुर क्षेत्र के गांव दोदराजपुर का है। गांव के ही 58 वर्षीय मूला सिंह अपने खेत पर पानी लगाने

गए हुए थे अचानक मौत हो गई।

जैसे ही खबर परिजनों को मिली परिजन ऑन में कोहरा मच गया गांव में मातम छा गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस फिलड यूनिट टीम के साथ मौके पर पहुंची और बारीकी से जांच पड़ताल की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया और अग्रिम कार्यवाही में जुट गई। क्षेत्रा अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक के शरीर पर कोई जहीरा चोट के निशान नहीं है, फिलहाल शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के सही कर्णो का पता चल पाएगा

नवंबर माह यातायात सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत लोगों को किया जागरूक

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नवंबर माह यातायात सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से अभियान चलाया गया। जिसमें दो पहिया वाहन चालकों को तथा चार पहिया वाले वाहन चालकों को एकत्र कर उन्हें यातायात नियम का पालन करने हेतुजागरूक किया गया।

नगीना चित्तौड़गढ़ चौकी चौराहे तथा तुलाराम चौराहे पर सुनिल कुमार टी एस आई ने बैनर लगवाये तथा पंपलेट वितरित किये। सुनील कुमार टी एस आई ने कहा है कि सभी दोपहिया वाहन चालक हेलमेट जरूर पहने और जिम्मेदार नागरिक बनें। क्योंकि हेलमेट सड़क हादसे में आपकी जान बचा सकता है, किसी के दुनिया से चले जाने पर उसका परिणाम परिवार को भुगतना पड़ता है।

राज्य सरकार यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए सड़क सुरक्षा सप्ताह आयोजित कर रही है, उन्होंने युवा शक्ति को संदेश दिया है कि वे सड़कों पर तेज गति से वाहन न चलाएं। हेलमेट पहनें, यातायात नियमों का पालन करें और एक जिम्मेदार नागरिक बनकर अपने कर्तव्यों का पालन करें। इस मौके पर हेड कांस्टेबल सचिन कुमार कांस्टेबल सहेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे ।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की बैठक आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की जिला शतरीय बैठक नहटौर ब्लॉक डबाकर हाल में आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया।

रविवार को आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ भानु प्रकाश वर्मा ने संगठन में निष्क्रिय सदस्यों को सक्रियता के रूप में कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने फरवरी में होने वाले सम्मेलन की रणनीति बनाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्लाक प्रमुख राकेश चौधरी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकार को अधिकारों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए ओर अपने अधिकारों का सही उपयोग कर समाज में लोगो की मदद करे। बैठक को ओर कई वक्ताओं ने भी संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता डॉ भानु प्रताप वर्मा जिलाध्यक्ष एवं संचालन जितेंद्र सिंह जिला महामंत्री ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन द्वारा की गई। इस अवसर पर डॉ नरेश पाल सिंह, धर्मेंद्र सिंह ढाका, विनय कौशिक, कौशल शर्मा, पंकज कुमार शर्मा, डॉक्टर प्रदीप कुमार दुबे, गुणवंत सिंह राठौड़, बबलू सिंह चौहान, अनुज कुमार, धर्मवीर सिंह दिवाकर, नरेश गौतम, सुनील नारायण, मुकेश कुमार, संजय शर्मा, विपिन कुमार, मोहित चौहान, अवनीश कुमार शर्मा, पवन चौधरी, हेमेंद्र सिंह, राहुल चौधरी, कर्मेंद्र सिंह, दानिश, अनवार अहमद, महकार सिंह तोमर आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम प्रभारी देवेंद्र चौधरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बिहार मे गुंजा धामपुर के रामगोपाल रामचंद्र सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज का नाम

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित संस्कृति महोत्सव में प्रांत शतर पर आयोजित प्रतियोगिता में अखिल भारतीय शतर पर सीतामड़ी बिहार में प्रतिभाग किया। उसमें तीनो छात्र हर्ष धीमान,प्रिंस राजपूत,अक्षित चौहान,ने प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का ही नहीं अपने प्रदेश का नाम रोशन किया।

पहले जिला बिजनौर फिर मेरठ,फिर उत्तराखंड,ओर अब बिहार को टॉप करने वाले होनहार रामगोपाल रामचन्द्र सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कालेज धामपुर के छात्रों का बिहार से जितने पर विद्या मंदिर के छात्रों, अभिभावकों, आचार्यों, बधाई देने वालो ने नगीना चौराहे पर पहुंचने पर ढोल की थाप पर फूल मालाओं से लाद कर ओर एकदूसरे को लड्डू खिलाकर स्वागत किया।

ढोल की थाप पर जमकर डांस किया। नगीना चौराहे पर स्वागत कर नगीना चौराहे से नगीना रोड पर विधा मन्दिर इंटर कालेज धामपुर में पहुंचे। जहां पर तीनों छात्रों का विधा मन्दिर के प्रधानाचार्य ओर आचार्य

द्वारा तिलक कर मालाओं से स्वागत किया।

स्वागत कार्यक्रम में तीनों छात्रों के अभिभावक हर्ष धीमान के पिता सुनील कुमार शर्मा क्षेत्रीय बार एसोसिएशन धामपुर के कोषाध्यक्ष, मनोरमा शर्मा, ज्योति शर्मा, अथर्व धीमान, श्रवण कुमार, आंचल राजपूत, दर्शिता सिसौदिया, हेमलता देवी, वंशिका राजपूत, मनोज कुमार, ओमकुमार, मनोज कुमार, विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य हेमेंद्र, दयाशंकर दुवे कोच, राम जीपांडे, कावेंद्र उपप्रधानाचार्य, दुर्गेश, विनय, राजेश, राजीव, राजवीर, चंद्रभान, महेशचंद्र, आर.के.आर्य, हरप्रसाद शर्मा, जितेंद्र सिंह एडवोकेट, कृष्ण कुमार, ब्रजमोहन प्रजापति, छात्र गीतांशु कुशवाह, हर्षित वर्मा, अश्वनी चौहान, दिवेश सैनी, अरनव चौहान, केशव चौहान, कुलबीर पाल, दक्ष जोशी, मनु कुमार, ध्रुव राजपूत, श्रियानक, प्रिंस कुमार, यश चंद्र, प्रिंस राजपूत, हिमांशु सैनी, जैद, जुनैल आबेदीन, कृष्णा कुमार, अंकित आदि सभी ने विजय छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

उत्तराखंडी कौतिक में उत्तराखंड की लोकसंस्कृति की धूम

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

उत्तराखण्ड धरोहर संरक्षण समिति के तत्वाधान में उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती पर सांस्कृतिक समारोह 'उत्तराखण्डी कौतिक' का आयोजन पानी की टंकी के पास पार्क सेक्टर 5 वैशाली गाजियाबाद में किया गया। इस रंगारंग उत्सव में गायकों, कलाकारों ने पारम्परिक लोकगीत और नृत्य के जरिए उत्तराखंडी संस्कृति के रंग बिखेर कर श्रोताओं का मनमोह लिया।

प्रसिद्ध लोक गायक गजेंद्र राणा, पनु गोसाईं, कैलाश कुमार, पूरनचंद पांडे, अंजनी नेगी और शशि पाठक की मधुर आवाज में उत्तराखंड के पारम्परिक गीतों के साथ बाध्य यंत्रों ढोल - दमाऊ और मसकबीन की ताल से वातावरण में उत्तराखंड की संस्कृति की खुशबु बिखर गई। भारी संख्या में मौजूद श्रोताओं ने कलाकारों की मनमोहक प्रश्तुतियों का ताली बजाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, स्थानीय पार्षद राजकुमार सिंह, पूर्व पार्षद मधु सिंह, संतोष मेहरा की गरिमामय उपस्थिति रही।

अपने संबोधन में मोहन सिंह बिष्ट ने उत्तराखंड स्थापना की रजत जयंती पर समश्त उत्तराखंड वासियों को बधाई दी। पार्षद राजकुमार सिंह ने इस भव्य उत्सव के आयोजन के लिए समिति को बधाई दी और भविष्य में हर तरह का सहयोग का देने का वचन दिया। उत्तराखंडी कौतिक में उत्तराखंड के जानेमाने लोक गायकों-कलाकारों का यादगार जलवा देख श्रोता अभिभूत हो गए। समिति के अध्यक्ष मदन सिंह बिष्ट और महासचिव सविता गोसाईं ने सभी उपस्थित लोगों का उनके सहयोग के लिए का धन्यवाद किया।

एसआईआर का उददेश्य लोकतंत्र को मजबूत करना : विधायक संजीव शर्मा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

भाजपा के शहर विधायक संजीव शर्मा ने रविवार को शहर मंडल के कैला भट्टा इस्लाम नगर में शक्ति केंद्र संख्या 1 से 6 में मतदाता गहन पुनरीक्षण, एसआईआर को लेकर महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में उन्होंने क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों को एसआईआर सम्बंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। शहर विधायक संजीव शर्मा के मीडिया सलाहकार अजय चोपड़ा ने बताया कि बैठक में बडी संख्या में क्षेत्र के लोगों ने भाग लिया। शहर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण, एसआईआर चुनाव आयोग का बहुत ही महत्वपूर्ण अभियान है, जिसका उददेश्य पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल कर लोकतंत्र को मजबूत करना है।

विधिवत पूजा अर्चना कर धामपुर शुगर मिल धामपुर का नवीन पेराई सत्र 2025-26 का भव्य शुभारंभ

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

एशिया की सर्वाधिक गन्ना पैराई करने वाली सबसे बड़ी धामपुर शुगर मिल का नवीन गन्ना पैराई सत्र का शुभारंभ बड़े ही भव्य एवं भक्तिमय वातावरण मे हुआ।

गन्ना लाने वाले किसानों एवं चालकों को माला पहनाकर एवं अतिथियो द्वारा चैन मे गन्ना डालकर पैराई सत्र की शुरूआत की। धामपुर शुगर मिल ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर गौरव गोयल, संयुक्त प्रबंध निदेशक ईशान गोयल, यूनिट हेड निष्काम गुप्ता,वरिष्ठ कारखाना प्रबंधक विजय गुप्ता,गन्ना महाप्रबंधक ओमवीर सिंह आदि मिल अधिकारियो ने सबसे पहले गन्ना लाने वाले किसानों को सम्मानित

किया। इस दौरान प्रबंध निदेशक गौरव गोयल ने धामपुर शुगर मिल के साथ किसान भाई का का अटूट एवं गहरा रिश्ता है। शुगर मिल धामपुर निरंतर किसान भाइयो की सुख समृद्धि एवं उन्नति के लिए प्रयासरत है और हर समय उनके साथ कदम से कदम मिलाकर साथ खड़ी है। संयुक्त प्रबंध निदेशक ईशान गोयल ने सभी किसान भाइयो को नवीन गन्ना पैराई सत्र की हार्दिक शुभकामनायें भेंट करते हुए कहा की धामपुर शुगर मिल पूरी ताकत एवं क्षमता के साथ नवीन गन्ना पैराई सत्र का शुभराम्भ करने जा रही है।

किसान भाइयो की सुख समृद्धि एवं विकास के लिए कार्य कर रही है।

वरिष्ठ कारखाना प्रबंधक विजय गुप्ता ने कहा की सत्य और ईमानदारी के साथ शुगर मिल धामपुर किसान हित कार्य कर रही है और आगे भी करती रहेगी !ईमानदारी से किये गए कार्य कभी निफल नहीं जाते है। भले ही कितनी अडचन आ जाये लेकिन सत्य की हमेशा विजय होती है।

नवीन गन्ना पैराई सत्र की किसान भाइयो को हार्दिक शुभकामनायें भेंट करते हुए उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान संचालक मंडल गन्ना समिति धामपुर के सभी संचालक गण, चौधरी अमित कुमार चेयरमैन गन्ना समिति नूरपुर, ज्येठ गन्ना विकास निरीक्षक अमित पांडे,गन्ना समिति धामपुर सचिव विनोद कुमार सिंह, सचिव गन्ना समिति धामपुर एव गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

संपादकीय

बिहार चुनाव सीटों पर एक नजर

बिहार चुनाव में बीजेपी और जेडीयू 243 विधान सभा में आपस में 101 सीट में लड़ना ही नीतीश कुमार के विजय का पथ बन चुका था 6 नवंबर के दिन हुए मतदान में जेडीयू को सबसे ज्यादा सीट मिलने की संभावना है तो एनडीए में 101 सीट पर लड़ रही बीजेपीं की सरकार कैसे बनेगी सीट तो सभी लेना चाह रहें हैं लेकिन जीत कितने पर होगी ऐ एक प्रश्न चिंह है।

एन डी ए को मिलकर नीतीश कुमार को खुशी मन से मुख्य मंत्री के नाम का ऐलान करना चाहिए था यही गलती बीजे पीं से हुई जिसका फायदा जे डी यू व महागठबंधन को मिलता दिख रहा है जब भी यदि केंद्र में अपने दम पर बहुमत ना हो तो घटक दल को साथ लेकर चलना चाहिए यदि बीजेपीं को नीतीश कुमार को इस चुनाव में मुख्य मंत्री का उम्मीदवार नहीं ही घोषित करना था तो सभी सीट पर लड़ना चाहिए और अपने ही ओर से मुख्य मंत्री के नाम का ऐलान करना चाहिए।

रिकॉर्ड मतदान ये दिखाता है कि सभी ने नीतीश कुमार के पक्ष में ज्यादा मतदान किए हैं नहीं भरोसा है तो 14 नवंबर के दिन मतगणना में देख लीजियेगा कि कौन सरकार बना सकती है जेडीयू सबसे बड़े दल के रूप में आएगी उधर महागठबंधन में भी आपस में सीटों में खींचातानी चल रही है जिससे आरजेडी भी आसंजस में है आरजेडी में चुनाव को तेजस्वी को लेकर परिवार के अंदर ही बगावत हो गई और तेज प्रताप यादव जो उनके भाई हैं एक अलग ही पार्टी बना ली इन सब के बीच जनसुराज पार्टी चुनाव प्रचार में पार्टियों के मंत्री पर आरोप लगा रहें हैं लेकिन जब मालूम था ऐ क्राइम किया है तो अभी चुनाव में क्यों बता रहें है।

पहले बताना चाहिए और खुद पहले अपने को भी देखना चाहिए एक कहावत है बुरा बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय। जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय॥ यह संत कबीर दास का एक प्रसिद्ध दोहा है जिसका अर्थ है कि जब मैं दुनिया में दूसरों की बुराई खोजने चला, तो कोई बुरा व्यक्ति नहीं मिला। लेकिन जब मैंने अपने अंदर झाँका और अपने मन को टटोला, तो मुझे पता चला कि मुझसे बुरा कोई नहीं है।

अतः पहले खुद को भी देखना चाहिए बिहार में माफियाओ के बल पर आज भी सरकार बनती है ऐ किसी से छिपा नहीं है और बिहार में सत्ता में रहने के लाठी का दबदबा भी चाहिए नहीं तो क्रोई भी पार्टी को तोड़ कर इधर से उधर चला जायेगा प्रशांत किशोर जी को चाहिए आरोप या प्रत्यारोप से बच कर जनता के लिए कुछ करना चाहिए गलत गलत ही होता है जब यहाँ से सजा नहीं मिलता तो ऊपरवाला दंड नहीं देगा समय का इंतजार करिये अभी राज खोलने से जनता के बीच में ऐ संदेश जाता है कि पहले इतना दिन से कहाँ थे और अभी चुनाव के बीच करने का मतलब है सत्ता पाना जो कुछ ही सीट 3-4 से ज्यादा नहीं मिलने वाली है।

चुनाव जितने के लिए काम करना होता है और जब काम करेंगे और जनता जरूर जीता देगी और जब जीत कर सरकार बन जाएगी तो जाँच करा देना अतः इन सब के राज खोलने से जनता को मिलेगा क्या? जनता की सेवा करो और किसी के व्यक्तिगत आरोप से बचना चाहिए जब हम दूसरों में दोष ढूंढने निकलते हैं, तो हमें बहुत सारे लोग बुरे लग सकते हैं, लेकिन यह एक ऊपरी और भ्रामक सोच है इससे जनता को क्या मिलेगा फैसला तो अदालत में होता है दूसरों की आलोचना करना या निंदा करने के बजाय, हमें अपनी बुराइयों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए और सेवा से ही जीत मिलेगी।

आरोप से नहीं क्योंकि जब बने थे तब कहाँ थे उस समय क्यों नहीं आबाज निकला इतने दिनों से आवाज बन्द क्यों थी ऐ चुनाव के समय ही क्यों याद आ रहा है मुख्यमंत्री किसे बनाना ऐ पहले ही बता देना जो गलती करता है या जो गलत काम करता है वो कहा जा सकता है, जहाँ गलत का मतलब गलत या अनुचित है, और करने वाला का मतलब वह व्यक्ति है जो ऐसा करता है या काम करता है।

लेकिन उसके लिए न्यायलय है उसका फैसला तथ्यों के आधार पर होता है बिहार का चुनाव भाषण से ज्यादा काम के महत्व को देखता है और इधर जो 1 साल में काम हुआ है उससे महिलाओ को बहुत भारी मात्रा में कहीं ना कहीं रोजगार के साधन उपलब्ध हुए हैं शहर ही नहीं गाँव में भी और रोड सड़क और बिजली पानी की समस्या हल हुई है जो अभी 10 हजार भी मिली है वो लोग नीतीश कुमार की ही निर्णय समझ रही है इसलिए नीतीश कुमार को हल्के में लेना ठीक नहीं है।

उनको बिहार का चप्पा चप्पा मालूम है जब तक हैं जेडीयू रहेगी उसके बाद क्या होगा मुझे भी मालूम नहीं और जेडीयू के विधायक को तोड़ना भी आसान नहीं है क्योंकि ऐ पहले भी आजमाया गया है नीतीश कुमार का वर्षों का मेहनत और ईमानदारी नारी जागरण के कारण उनकी पार्टी को अधिक वोट मिला है बीजेपीं ने कई वरिष्ठ नेता जो लागातार जीतते आ रहें थे उनके टिकट काटने से उनके समर्थक नाराज हो गए और अधिकतर ने नोटा डाला होगा ऐ मैं किसी के इलाके में पूछने से मिला है।

सच क्या है ऐ मैं भी नहीं बता सकता हूँ लेकिन मुझे नीतीश कुमार पुनः बिहार की सेवा में मुख्यमंत्री बनने की पुरी संभावना दिख रही है.बीजेपीं को शांति से काम लेना चाहिए था क्योंकि शायद ऐ नीतीश कुमार की अंतिम चुनाव होगा उसके बाद तो बीजेपीं के पास ही कमान आती और ऐ भी देखना चाहिए की केंद्र में 12 सांसद है जो सरकार बनाने में अहम्य भूमिका अदा कर रहें हैं बीजेपीं निश्चित रूप से अच्छा काम कर रही है जिसमें प्रधानमंत्री जी का अहम योगदान है।

लेकिन सत्ता में बने रहने के लिए नम्बर मायने रखते हैं। नको मुख्य मंत्री बनने का इरादा नहीं होता तो इतनी जनसभा नहीं करते और इतने सक्रिय भी नहीं होते उन्होंने कई मीटिंग, अपने खास केंद्रीय मंत्री, ललन सिंह व कार्यकारी अध्यक्ष झा जी को नहीं बुलाकर मीटिंग ली है बूथों का बहुत ही गंभीरता से हालत की जानकारी ली है और वहाँ अन्त अन्त तक वोटिंग हुई है इसलिए वोटिंग प्रतिशत काफी बढ़ी है।

अंतरिक्ष में भारतीय संचार का नया सितारा CMS-03

योगेश कुमार गोयल

पिछले दिनों श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 'बाहुबली' रॉकेट एलवीएम3-एम5 ने भारत के अब तक के सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में पहुंचाया और उसी के साथ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बार फिर इतिहास रच दिया।

यह प्रक्षेपण न केवल भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नई छलांग है बल्कि यह उस आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है, जिसकी परिकल्पना आज का भारत अपने वैज्ञानिक संकल्प से साकार कर रहा है। करीब 4, 410 किलोग्राम वजनी सीएमएस-03 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में स्थापित किया गया है। यह भारत की धरती से अब तक छोड़ा गया सबसे भारी संचार उपग्रह है। यह उपग्रह भारत तथा आसपास के समुद्री क्षेत्रों में मल्टी-बैंड संचार सेवाएं प्रदान करेगा और अगले 15 वर्षों तक देश की संचार प्रणाली की रीढ़ साबित होगा। इस मिशन की सफलता ने एक बार फिर इसरो की वैज्ञानिक दक्षता, तकनीकी परिपक्वता और अडिग संकल्प का प्रमाण दिया है।

'बाहुबली' नाम अपने आप में इस रॉकेट की क्षमता का परिचायक है। एलवीएम3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) इसरो का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान है, जो लगभग 43.5 मीटर ऊंचा और तीन चरणों में कार्य करने वाला रॉकेट है। इसकी भार वहन क्षमता ही इसे 'बाहुबली' का दर्जा देती है।

यह रॉकेट लगभग 4, 000 किलोग्राम वजन तक के उपग्रहों को जीटीओ में और 8, 000 किलोग्राम तक के उपग्रहों को पृथ्वी की निम्न कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट) तक पहुंचाने में सक्षम है। यह वही रॉकेट है, जिसने भारत को विश्व पटल पर गौरव दिलाने वाला ऐतिहासिक चंद्रयान-3 मिशन लॉन्च किया था, जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत का झंडा लहराया।

एलवीएम3-एम5 रॉकेट तीन चरणों में कार्य करता है। पहले चरण में इसके दो ठोस बूस्टर रॉकेट एस-200 प्रारंभिक लिफ्ट ऑफ के लिए भारी थ्रस्ट उत्पन्न करते हैं। दूसरे चरण में एल-110 लिक्विड प्रोपल्शन स्टेज आता है, जिसे विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में विकसित किया गया है। तीसरे और अंतिम चरण में क्रायोजेनिक इंजन सी-25 कार्य करता है, जो सैटेलाइट को सटीक रूप से उसकी कक्षा में स्थापित करने की अंतिम जिम्मेदारी निभाता है। यह जटिल प्रणाली और उसकी सटीक कार्यप्रणाली भारत की उस इंजीनियरिंग दक्षता की परिचायक है, जिसने आज विश्व की शीर्ष चार अंतरिक्ष शक्तियों में भारत को स्थापित किया है।

इसरो के इस मिशन की सबसे बड़ी सफलता यह है कि यह भारत को भारी उपग्रह प्रक्षेपण में पूर्ण आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करता है। इससे पहले इसरो को अपने भारी उपग्रहों के लिए विदेशी लॉन्च सेवाओं का सहारा लेना पड़ता था, जैसे कि दिसंबर 2018 में जीएसएटी-11 को फ्रैंच गयाना से एरिएन-5 रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया था। उस समय जीएसएटी-11 (5854 किलोग्राम) इसरो का सबसे भारी उपग्रह था परंतु वह भारत से लॉन्च नहीं हो सका था।

आज सीएमएस-03 के सफल प्रक्षेपण के साथ भारत ने यह उपलब्धि अपने दम पर हासिल कर ली है। सीएमएस-03 को इसरो के वैज्ञानिकों ने आधुनिक संचार अवसंरचना की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। यह एक मल्टी-बैंड कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जो देश के दूरस्थ और समुद्री इलाकों में तेज और विश्वसनीय संचार सेवाएं सुनिश्चित करेगा। इस उपग्रह के माध्यम से रक्षा क्षेत्र, नौसेना, आपदा प्रबंधन, नागरिक संचार और डिजिटल कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी सुधार होगा।

विशेष रूप से यह नौसेना के लिए समुद्री क्षेत्रों में सुरक्षित और निर्बाध संचार नेटवर्क प्रदान करेगा, जिससे भारत की समुद्री सुरक्षा क्षमताएं कई गुना बढ़ जाएंगी।

भारत की समुद्री सीमाएं लगभग 7, 500 किलोमीटर लंबी हैं और उसके पास व्यापक आर्थिक क्षेत्र है। ऐसे में सुदूर समुद्री इलाकों में संचार का सशक्त नेटवर्क आवश्यक है।

सीएमएस-03 इस दिशा में एक बड़ा कदम है, जो भारतीय नौसेना को रणनीतिक रूप से अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएगा। इसके अलावा, यह देश के ग्रामीण और दूरदराज़ इलाकों में डिजिटल पहुंच को भी सुदृढ़ करेगा। एलवीएम3-एम5 मिशन की सफलता इस बात का भी प्रमाण है कि भारत अब न केवल वैज्ञानिक तकनीक का उपभोक्ता देश है बल्कि वह तकनीक निर्माता और नवोन्मेषी शक्ति के रूप में भी उभर चुका है।

इसरो के वैज्ञानिकों ने खराब मौसम की चुनौतियों और अत्यधिक जटिल तकनीकी परिस्थितियों में भी इस मिशन को सफलता तक पहुंचाया। इसरो प्रमुख वी. नारायणन के शब्दों में, 'यह बाहुबली रॉकेट की ताकत का एक और प्रमाण है। उपग्रह को सटीक रूप से कक्षा में स्थापित किया गया है और यह हमारे वैज्ञानिकों की अथक मेहनत का परिणाम है। '

एलवीएम3-एम5 रॉकेट की अब तक की सभी आठ उड़ानें 100 प्रतिशत सफल रही हैं। यह सफलता दर किसी भी विकसित अंतरिक्ष एजेंसी के मानकों पर श्रेष्ठ मानी जा सकती है।

भारत के लिए यह मिशन केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है बल्कि यह उस दृष्टि का विश्तार है, जो प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प से जुड़ी है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत ने हाल के वर्षों में जो प्रगति की है, उसने न केवल विश्व को चकित किया है बल्कि निजी उद्योगों और स्टार्टअप्स के लिए भी अंतरिक्ष तकनीक में नए अवसर खोले हैं।

सीएमएस-03 मिशन भारत की उस अंतरिक्ष नीति को भी मजबूत करता है, जिसके तहत देश आने वाले वर्षों में वाणिज्यिक प्रक्षेपण सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। भारत अब वैश्विक श्तर पर उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जो भारी उपग्रहों को स्वयं की तकनीक से अंतरिक्ष में भेजने में सक्षम हैं। इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी बल्कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की वैश्विक विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।

इसरो के मिशनों की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसने हर उपलब्धि सीमित बजट में हासिल की है। एलवीएम3 की संरचना और प्रदर्शन का श्तर यूरोपियन एरिएन-5 या अमेरिकी फाल्कन-9 जैसी श्रेणी के रॉकेटों के समान है जबकि इसकी लागत उन मिशनों की तुलना में बेहद कम है। यही भारतीय प्रतिभा और वैज्ञानिक अनुशासन की असली पहचान है। इस मिशन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि सीएमएस-03 से भारत की डिजिटल कनेक्टिविटी और रक्षा नेटवर्क दोनों को मजबूती मिलेगी।

देश के सुदूरवर्ती द्वीपों, सीमांत इलाकों और समुद्री मार्गों पर निर्बाध संचार स्थापित करना अब अधिक आसान होगा। इस मिशन के जरिए भारत का संचार तंत्र और आपदा प्रबंधन प्रणाली भी अधिक सटीक और प्रभावी होगी। यह उपलब्धि भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आज जब विश्व अंतरिक्ष की नई प्रतिस्पर्धा में प्रवेश कर चुका है, जहां अमेरिका, रूस, चीन और यूरोप अपनी तकनीकी श्रेष्ठता सिद्ध करने की होड़ में हैं, भारत ने शांत, दृढ़ और सटीक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अपनी अलग पहचान बनाई है। चंद्रयान-3 के बाद 'बाहुबली' की यह सफलता भारत की उसी निरंतर प्रगति का प्रतीक है, जिसने विज्ञान को राष्ट्रीय गौरव से जोड़ा है।

कुल मिलाकर, भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल खोज का नहीं बल्कि सशक्त राष्ट्र निर्माण का माध्यम बन चुका है। सीएमएस-03 केवल एक उपग्रह नहीं बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता, आत्मविश्वास और दूरदृष्टि का प्रतीक है। यह उस युग का उद्घोष है, जिसमें भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नेतृत्व की भूमिका निभाने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

इसरो के वैज्ञानिकों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि भारत की प्रतिभा, अनुशासन और धैर्य का कोई विकल्प नहीं। 'बाहुबली' की यह उड़ान आने वाले दशकों तक भारतीय विज्ञान की उपलब्धियों में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी।

यह केवल एक प्रक्षेपण नहीं बल्कि भारत की उस उड़ान का प्रतीक है, जो अपनी शक्ति, अपनी तकनीक और अपने संकल्प के बल पर सीमाओं से परे अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी है। निश्चय ही 'बाहुबली' की यह उड़ान भारत की अंतरिक्ष यात्रा के स्वर्ण युग की शुरुआत है, जहां सीमाएं नहीं, केवल ऊंचाईयां हैं।

वंदे मातरम्: राष्ट्रवाद की आध्यात्मिक प्रेरणा

डॉ. सत्यवान सौरभ

"वंदे मातरम्" केवल एक गीत नहीं था, बल्कि यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्र की आत्मा का स्वर बन गया। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत उनकी प्रसिद्ध कृति आनंदमठ (1882) में शामिल किया गया था। इसमें भारत माता को एक देवी के रूप में प्रश्तुत किया गया।

जिसने औपनिवेशिक दमन से त्रश्त भारतीय जनमानस को एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बांधा। इस गीत ने न केवल भावनात्मक श्तर पर भारतीयों को जोड़ा बल्कि स्वतंत्रता की मांग को एक नैतिक और धार्मिक अधिकार के रूप में स्थापित किया। यह वह समय था जब भारत अंग्रेज़ी शासन के अधीन था, और समाज निराशा, विभाजन तथा अधीनता की मानसिकता में जी रहा था। ऐसे में "वंदे मातरम्" ने भारतवासियों के भीतर दबी हुई स्वाभिमान की चिंगारी को प्रज्वलित किया।

इस गीत की पहली दो पंक्तियाँ-"सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम् शस्यश्यामलाम् मातरम्"-भारत की भौगोलिक सुंदरता और समृद्धि का वर्णन करती हैं। यहाँ भूमि केवल मिट्टी का टुकड़ा नहीं, बल्कि एक ऐसी माँ के रूप में चित्रित की गई है जो अपने बच्चों को जल, अन्न और जीवन देती है। यह भावनात्मक रूपक उस समय के लोगों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी था।

भारतीय समाज के लिए मातृत्व का भाव सबसे पवित्र था, और जब देश को 'मां' के रूप में देखा गया, तो देशभक्ति स्वाभाविक रूप से 'भक्ति' का रूप ले ली। यह भाव ही "वंदे मातरम्" को एक साधारण गीत से एक आध्यात्मिक आंदोलन में परिवर्तित करता है।

भारत में उस समय राजनीतिक चेतना का आरंभ हो रहा था, परंतु उसमें जनसामान्य की भागीदारी सीमित थी। शिक्षित वर्ग में राष्ट्रवाद के बीज अंकुरित हो रहे थे, लेकिन उनमें भावनात्मक ऊर्जा का अभाव था।''वंदे मातरम्" ने इस रिक्तता को भरा।

इसने राष्ट्रवाद को केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्वरूप दिया। यह गीत गाया गया तो लोगों ने पहली बार अनुभव किया कि वे किसी बाहरी सत्ता के अधीन नहीं, बल्कि अपनी ही मातृभूमि के संतान हैं, जिन्हें स्वतंत्र रहने का जन्मसिद्ध अधिकार है।

1905 में जब ब्रिटिश सरकार ने बंगाल का विभाजन किया, तब "वंदे मातरम्" बंग-भंग आंदोलन का मुख्य नारा बन गया। विद्यार्थी, महिलाएँ, व्यापारी, किसान-सबके होंठों पर यही शब्द गूंजने लगे। रैलियों, सभाओं और जुलूसों में जब यह गीत सामूहिक रूप से गाया जाता था, तो लोगों के भीतर अजेय शक्ति का संचार होता था। अंग्रेज़ सरकार को यह गीत इतना खतरनाक लगा कि उसने इसे सार्वजनिक रूप से गाने पर प्रतिबंध लगा दिया।

लेकिन प्रतिबंध के बावजूद यह गीत और भी लोकप्रिय होता गया। स्कूलों, कॉलेजों और मंदिरों में गुप्त रूप से "वंदे मातरम्" गाया जाने लगा। यह गीत प्रतिरोध, स्वाभिमान और एकता का प्रतीक बन चुका था। भारत जैसे विविधता भरे देश में जहां भाषा, धर्म और जाति के आधार पर समाज बँटा हुआ था, वहाँ "वंदे मातरम्" ने सबको एक सूत्र में बाँधने का कार्य किया। इस गीत ने सभी वर्गों को एक साझा सांस्कृतिक प्रतीक दिया-'मां'। चाहे बंगाल हो, पंजाब, गुजरात या तमिलनाडु-हर प्रदेश ने इस गीत में अपनी मातृभूमि की छवि देखी। इसने राष्ट्रीय एकता की नींव रखी, जो आगे चलकर स्वतंत्रता संग्राम का सबसे बड़ा आधार बनी।

"वंदे मातरम्" के माध्यम से भारतीय राष्ट्रवाद को एक नई भाषा और अभिव्यक्ति मिली। इसने राजनीतिक संघर्ष को धार्मिक उत्सव का रूप दे दिया। यह केवल विदेशी शासन के विरोध का प्रतीक नहीं था, बल्कि अपने भीतर के आत्मसम्मान को पहचानने का आह्वान भी था। इस गीत ने भारतीय समाज को यह बोध कराया कि पराधीनता केवल बाहरी शासन की नहीं, बल्कि मानसिक गुलामी की भी जंजीर है। जब लोग मातृभूमि को देवी के रूप में पूजने लगे, तब स्वतंत्रता केवल राजनीतिक लक्ष्य नहीं रही, बल्कि यह एक आध्यात्मिक कर्तव्य बन गई।

इस गीत ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के कई महान नेताओं को गहराई से प्रभावित किया। श्री अरविंदो घोष ने कहा था कि "वंदे मातरम् वह मंत्र है जो हमें स्वराज्य की प्राप्ति तक ले जाएगा।'' नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने इसे अपने इंडियन नेशनल आर्मी का राष्ट्रीय गीत बनाया। भगत सिंह जैसे क्रांतिकारी जब जेल में जाते या फाँसी का सामना करते, तो उनके होंठों पर "वंदे मातरम्" होता। इसने युवाओं के भीतर बलिदान और वीरता की भावना को प्रबल किया।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह गीत भारतीय पुनर्जागरण का प्रतीक बना। उस समय रवींद्रनाथ ठाकुर, अबनिंद्रनाथ ठाकुर, नंदलाल बोस जैसे कलाकार और लेखक भारतीय पहचान को पुनर्स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे।''वंदे मातरम्" ने उन्हें एक साझा प्रेरणा दी। भारतीय चित्रकला, नाट्यकला, संगीत और साहित्य में मातृभूमि का रूपांकन इसी गीत से प्रभावित हुआ। यह वह काल था जब भारतीय संस्कृति अपने खोए गौरव को पुनः खोजने में लगी थी और "वंदे मातरम्" उसका सबसे प्रभावशाली प्रतीक बना।

ब्रिटिश शासन के लिए यह गीत विद्रोह का प्रतीक था। अंग्रेज़ इसे धार्मिक विभाजन के रूप में प्रश्तुत करने का प्रयास करते रहे, परंतु भारतीयों के लिए यह गीत किसी एक धर्म का नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत का प्रतीक था। इसमें हिन्दू देवी-देवताओं के रूपक अवश्य थे, परंतु उसका उद्देश्य किसी धर्म को श्रेष्ठ बताना नहीं, बल्कि मातृभूमि को पवित्रता के श्तर पर प्रतिष्ठित करना था। यह गीत उस समय के सामाजिक-सांस्कृतिक मानस में राष्ट्र की नई परिभाषा गढ़ रहा था-एक ऐसी परिभाषा जिसमें धर्म से ऊपर देशभक्ति थी।

वंदे मातरम् की शक्ति उसकी सरलता और भावनात्मक गहराई में निहित थी। इसकी प्रत्येक पंक्ति भारत के सौंदर्य और गरिमा का बखान करती है।''त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी" जैसी पंक्ति ने यह संकेत दिया कि भारत की भूमि केवल कोमल नहीं, बल्कि शक्तिशाली भी है-जो अपने बच्चों की रक्षा करने में सक्षम है। इसने भारतीय नारी शक्ति और राष्ट्रशक्ति दोनों को एक रूप में देखने की प्रेरणा दी।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जब भी आंदोलन कमजोर पड़ता, "वंदे मातरम्" की गूंज लोगों में फिर से ऊर्जा भर देती। यह गीत लोगों के दिलों में इतना गहराई से बस गया कि यह स्वतंत्रता की प्रतीक ध्वनि बन गया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशनों में इसे गाना परंपरा बन गई। महात्मा गांधी ने इसे भारत की आत्मा का गीत कहा। हालांकि कुछ धार्मिक समुदायों ने इसकी कुछ पंक्तियों पर आपत्ति की, फिर भी अधिकांश भारतीयों के लिए यह राष्ट्र की भावना का सर्वोच्च प्रतीक बना रहा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जब भारत का संविधान तैयार हुआ, तब "वंदे मातरम्" को राष्ट्रीय गीत के रूप में मान्यता दी गई, जबकि "जन गण मन" को राष्ट्रीय गान के रूप में स्वीकृत किया गया।

संविधान सभा की चर्चाओं में यह स्पष्ट किया गया कि "वंदे मातरम्" का सम्मान राष्ट्रगान के समान रहेगा, क्योंकि इसने भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में अनुपम योगदान दिया था। आज भी जब यह गीत गाया जाता है, तो उसकी ध्वनि में वही जोश, वही भक्ति और वही मातृभाव झलकता है जो स्वतंत्रता सेनानियों के समय था। यह गीत हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र केवल राजनीतिक सीमाओं का नाम नहीं, बल्कि एक जीवंत संस्कृति, एक साझा भावना और एक आत्मा है जो हमें एक साथ जोड़ती है।

"वंदे मातरम्" ने औपनिवेशिक भारत में राष्ट्रवाद के बीज बोए और उन्हें एक ऐसे वृक्ष में परिवर्तित किया जिसकी छाया में भारत ने स्वतंत्रता का फल पाया। इसने यह सिद्ध किया कि जब कोई राष्ट्र अपनी संस्कृति, अपनी भाषा और अपनी मातृभूमि को आत्मा के रूप में पहचान लेता है, तो कोई भी बाहरी शक्ति उसे लंबे समय तक दास नहीं बना सकती। यह गीत भारतीय स्वतंत्रता का नहीं, बल्कि भारतीय आत्मजागरण का गीत है।

इस गीत ने भारतीय जनमानस को यह सिखाया कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व भी है-अपनी संस्कृति, अपनी मातृभूमि और अपने समाज के प्रति।''वंदे मातरम्" में गूंजती आवाज़ केवल एक कालखंड की नहीं, बल्कि युगों-युगों तक प्रेरणा देने वाली पुकार है। यह पुकार हमें बार-बार स्मरण कराती है कि राष्ट्र की सच्ची शक्ति उसकी एकता, उसकी आस्था और उसके स्वाभिमान में निहित है।

अंततः कहा जा सकता है कि "वंदे मातरम्" ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को एक भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दिशा दी। यह गीत भारतीय राष्ट्रीयता का वह ज्योति-पुंज बन गया जिसने अंधकारमय औपनिवेशिक काल में प्रकाश फैलाया। आज भी जब इसकी धुन बजती है, तो प्रत्येक भारतीय के भीतर एक अलौकिक गर्व, श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव जाग उठता है। यह केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य के लिए प्रेरणा का स्रोत है-जो हमें यह सिखाती है कि जब तक "वंदे मातरम्" की भावना जीवित है, भारत की आत्मा अमर है।

"वंदे मातरम्" भारत के स्वतंत्रता संग्राम का आध्यात्मिक आधार था। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत मातृभूमि को देवी के रूप में पूजने की भावना से ओतप्रोत था। इसने राष्ट्रवाद को केवल राजनीतिक विचार नहीं, बल्कि एक भक्ति-भावना में परिवर्तित किया। बंग-भंग आंदोलन से लेकर क्रांतिकारी संघर्षों तक यह गीत स्वतंत्रता सेनानियों की प्रेरणा बना। आज भी यह राष्ट्रीय सम्मान, एकता और स्वाभिमान का प्रतीक है।''वंदे मातरम्" ने भारत की आत्मा को जागृत किया और यह सदा हमारी राष्ट्रीय चेतना की धड़कन बना रहेगा।

एकता की जीत : जब पहचानें नहीं, जज़्बा देश को चैंपियन बनाता है

डॉ. प्रियंका सौरभ

सिख लड़की ने कप्तानी की, क्रिश्चियन लड़की ने सेमीफाइनल जिताया, बंगाली लड़की की पावर हिटिंग से टीम 300 के करीब पहुंच पाई, जाटों की लड़की शेफाली फाइनल में प्लेयर ऑफ़ द मैच बनी, और ब्राह्मणों की लड़की दीप्ति प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुनी गई-और आखिरकार भारत वर्ल्ड चैंपियन बन गया।

सवाल ये है कि जब इनकी अलग-अलग पहचानें हमें वर्ल्ड चैंपियन बनाने में आड़े नहीं आतीं, तो देश को आगे ले जाने के नाम पर हम इन्हीं पहचानों के नाम पर लड़ते क्यों हैं? ऐसा ही जज़्बा हमें देश की तरक्की के लिए भी चाहिए।

यह पंक्तियाँ आज के भारत की सच्ची तस्वीर पेश करती हैं-वह भारत जहाँ विविधता कोई विभाजन नहीं, बल्कि शक्ति है। जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व कप जीतकर इतिहास रचा, तो यह जीत सिर्फ़ बल्ले और गेंद की नहीं थी, बल्कि यह एकता, समानता और भारतीयता की जीत थी। टीम में हर धर्म, हर जाति, हर भाषा और हर क्षेत्र की बेटियाँ थीं, लेकिन जब उन्होंने मैदान में कदम रखा, तो वे केवल एक पहचान रखती थीं-भारतीय। यही भावना हमें याद दिलाती है कि असली ताकत हमारे नाम, वंश या पंथ में नहीं, बल्कि हमारे सामूहिक प्रयत्न और साझा संकल्प में है।

खेल हमें यह सिखाते हैं कि टीम भावना किसी भी व्यक्तिगत पहचान से बड़ी होती है। जब विकेट गिरता है तो कोई यह नहीं देखता कि गेंदबाज किस राज्य या धर्म से है, और जब चौका लगता है तो भीड़ यह नहीं सोचती कि बल्लेबाज़ किस जाति का है। मैदान में सिर्फ़ एक बात मायने रखती है-प्रदर्शन, मेहनत और समर्पण। और यही दर्शन यदि हम देश के विकास, राजनीति, समाज और संस्कृति में भी अपनाएँ, तो भारत हर क्षेत्र में "विश्व चैंपियन" बन सकता है।

हमारे समाज में दुर्भाग्य से पहचान की राजनीति, धर्म और जाति के आधार पर विभाजन, और अपने-अपने "हम बनाम वो" की मानसिकता गहरी जड़ें जमा चुकी है। चुनावों से लेकर रोज़मर्रा की बातचीत तक, हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि हमारी सबसे बड़ी पहचान भारतीयता है। लेकिन खेल हमें हर बार याद दिलाते हैं कि जब हम मिलकर खेलते हैं, तो हम अजेय बन जाते हैं। यही एकजुटता भारत के संविधान, संस्कृति और सभ्यता की आत्मा है।

जब हरमनप्रीत कौर मैदान में नेतृत्व करती हैं, तो वह सिर्फ़ पंजाब की बेटी नहीं होतीं, वह पूरे भारत की कप्तान होती हैं। जब जेमिमा रोड्रिग्स निर्णायक मैच में बेहतरीन बल्लेबाज़ी करती हैं, तो यह मायने नहीं रखता कि उनका धर्म क्या है-मायने रखता है उनका योगदान।

जब शेफाली वर्मा फाइनल में धुआंधार बल्लेबाज़ी करती हैं या दीप्ति शर्मा पूरे टूर्नामेंट में निरंतर प्रदर्शन से चमकती हैं, तो वे हमें यह सिखाती हैं कि सफलता योग्यता और परिश्रम की भाषा बोलती है, किसी जाति या धर्म की नहीं।

आज भारत को इन बेटियों से बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। यदि हर नागरिक अपनी छोटी-छोटी पहचान को पीछे रखकर देश के बड़े लक्ष्य के लिए काम करे, तो न तो विकास की रफ्तार रुकेगी और न ही सामाजिक सौहार्द बिगड़ेगा।

हमें समझना होगा कि देश का निर्माण किसी एक वर्ग, एक भाषा या एक संस्कृति से नहीं होता-बल्कि सभी के मिलन से होता है। यही कारण है कि भारत "वसुधैव कुटुम्बकम्" का संदेश देता आया है-पूरा विश्व ही एक परिवार है।

क्रिकेट के मैदान में जब गेंद सीमारेखा पार करती है, तो पूरा स्टेडियम एक साथ गूंज उठता है-"भारत! भारत!" उस क्षण में न कोई हिंदू होता है, न मुस्लिम, न सिख, न ईसाई; सब सिर्फ़ भारतीय होते हैं। यह भावना ही राष्ट्रनिर्माण का असली आधार है। यही वह चेतना है जो हमें जातीय हिंसा, धार्मिक कट्टरता, और क्षेत्रीय संकीर्णता से ऊपर उठने की शक्ति देती है।

आज राजनीति से लेकर सामाजिक मीडिया तक, हमें बार-बार अपनी पहचान के चश्मे से चीज़ें देखने के लिए उकसाया जाता है। पर सवाल यह है-क्या कोई देश सिर्फ़ पहचानों से बनता है? नहीं।

देश तब बनता है जब लोग अपने मतभेदों को दरकिनार कर एक साझा लक्ष्य के लिए एकजुट होते हैं। आज भारत के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं-गरीबी, बेरोज़गारी, शिक्षा, पर्यावरण, लैंगिक समानता-पर इन सबका समाधान तभी संभव है जब हम टीम इंडिया की भावना से सोचें, न कि "मेरे समाज" की संकीर्ण मानसिकता से।

हमारी महिला क्रिकेट टीम ने वह कर दिखाया जो राजनीति, समाज और धर्मशास्त्र नहीं कर पाए-उन्होंने हमें दिखाया कि "एकता में कितनी शक्ति" होती है। मैदान में उन्होंने यह साबित कर दिया कि कोई किसी से कम नहीं, और सब एक-दूसरे के लिए समर्पित हैं।

किसी ने नेतृत्व किया, किसी ने बल्ला घुमाया, किसी ने गेंद को हवा में उछाला, किसी ने कैच पकड़ा-और सबने मिलकर इतिहास रच दिया।

यही मॉडल भारत के सामाजिक जीवन के लिए भी लागू हो सकता है। हर नागरिक यदि अपनी भूमिका जिम्मेदारी से निभाए-चाहे वह किसान हो, शिक्षक, डॉक्टर, इंजीनियर या सिपाही-तो भारत के विकास की डगर कोई नहीं रोक सकता। जैसे टीम में हर खिलाड़ी अपने हिस्से की भूमिका निभाता है, वैसे ही देश के हर नागरिक को अपनी जगह ईमानदारी से काम करना होगा। तब कहीं जाकर भारत "विकसित राष्ट्र" के सपने को साकार करेगा।

इस जीत में एक और बड़ा संदेश छिपा है-महिला सशक्तिकरण का। इन बेटियों ने न केवल खेल के मैदान में, बल्कि समाज के उस सोच पर भी प्रहार किया है जो अक्सर यह मानती रही कि कुछ क्षेत्र पुरुषों के लिए ही हैं।

उन्होंने यह साबित कर दिया कि यदि अवसर और विश्वास मिले, तो महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में देश को गौरवान्वित कर सकती हैं।

उनकी यह सफलता आने वाली पीढ़ियों की लड़कियों के लिए प्रेरणा बनेगी, जो अब यह जानती हैं कि "सीमाएँ" सिर्फ़ सोच में होती हैं, प्रतिभा में नहीं।

जब हम किसी की पहचान को देखकर निर्णय लेते हैं, तो हम उसकी असली क्षमता को देखने से चूक जाते हैं। लेकिन जब हम पहचान से परे जाकर सहयोग करते हैं, तो असंभव भी संभव हो जाता है। यही सबक हमारी महिला टीम ने दिया है-कि देश की सेवा के लिए पहले दिलों का मेल ज़रूरी है, न कि सिर्फ़ संसाधनों का।

भारत को आगे बढ़ाने के लिए आज जिस चीज़ की सबसे ज़्यादा ज़रूरत है, वह है सामाजिक एकता और परस्पर सम्मान। हम सब अलग-अलग भाषाएँ बोल सकते हैं, अलग-अलग रीति-रिवाज़ निभा सकते हैं, लेकिन हमारा सपना एक ही है-एक मज़बूत, समृद्ध और खुशहाल भारत। और यह सपना तभी साकार होगा जब हम "मैं" से ऊपर उठकर "हम" की सोच अपनाएँ।

जिस दिन हम सब भारतीय इस बात को आत्मसात कर लेंगे कि किसी की सफलता हमारी सामूहिक जीत है, उस दिन भारत न सिर्फ़ खेल के मैदान में, बल्कि हर क्षेत्र में विश्वगुरु बनेगा।

यह टीम की तरह काम करने का समय है, न कि एक-दूसरे को दोष देने का। इसलिए जब अगली बार कोई यह पूछे कि "तुम कौन हो?", तो उत्तर बस इतना ही होना चाहिए - "मैं भारतीय हूँ-और यही मेरी सबसे बड़ी पहचान है।''

जब तक हम यही पहचान लेकर चलेंगे, तब तक कोई ताकत हमें रोक नहीं सकती। जैसे मैदान में भारत की बेटियाँ जीतकर लौटीं, वैसे ही एक दिन हमारा देश भी विकास और एकता का विश्व चैंपियन बनेगा-क्योंकि जो देश अपनी विविधता में एकता ढूँढना सीख जाता है, वह कभी हारता नहीं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोनः 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेलः todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

बस में युवती से की दोस्ती, फिर सैन्यकर्मी ने शादी का झांसा देकर किया यौन उत्पीड़न

बरेली, एजेंसी। बरेली की युवती ने मथुरा निवासी सैन्यकर्मी युवक व उसके दो भाइयों के खिलाफ बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। युवती ने बताया कि बस में सफर के दौरान मथुरा निवासी देशराज से मुलाकात हुई। दोनों में दोस्ती हो गई। फिर उनके परिजनों ने देशराज के परिवार से शादी के लिए बात हुई। इस पर उन्होंने बताया कि देशराज सेना में जम्मू में तैनात है, जल्द ही मैदानी इलाके में तैनाती होगी और तब उससे शादी कर लेंगे। युवती का आरोप है कि देशराज उसके साथ संबंध बनाने लगा। वह छुट्टी पर आता तो बरेली में उनके घर पर ही रुकता था। उसके भाइयों सोनी व रजपुरिया ने दहेज के नाम पर काफी रकम ले ली और अब इन लोगों ने शादी से इन्कार कर दिया है। इन लोगों ने अपने मोबाइल नंबर भी बंद कर लिए हैं। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि युवती की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

दिन निकलते ही 400 के पास पहुंच गया एयर क्वालिटी इंडेक्स, सांस लेना दूभर, अब गिरेगा पारा

मेरठ, एजेंसी। छुट्टी के दिन मेरठ का एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 के पास पहुंच गया। सुबह के समय स्मॉग इतना ज्यादा था कि एक्यूआई बढ़ता चला गया। एनसीआर में हालात खराब बने हुए हैं। फिलहाल मेरठ की हवा सांस लेने लायक नहीं है। एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण का लेवल लगातार बढ़ता जा रहा है। सांस लेने में दिक्कत और आंखों में जलन हो रही है। रविवार की सुबह स्मॉग के कारण शहरवासी हलकान दिखाई दिए। शहर में अलग-अलग क्षेत्र में प्रदूषण का लेवल बढ़ा नजर आया। एनसीआर क्षेत्र में एयर क्वालिटी इंडेक्स लाल श्रेणी में दर्ज किया जा रहा है। वहीं अन्य दिनों की अपेक्षा मौसम में ठंड का असर बढ़ा दिखाई दिया। तापमान में कमी होने के चलते लगातार ठंड बढ़ती जा रही है। रात का पारा भी गिर रहा है। पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी के कारण मैदानी क्षेत्रों में सर्दी में आने वाले तीन-चार दिन में और इजाफा होगा। 2 से 3 डिग्री तक तापमान में गिरावट होने की संभावना बनी हुई है।

पीलीभीत में विश्व हिंदू परिषद का संगठन मंत्री गिरफ्तार, एडीएम ने दर्ज कराया मुकदमा; लगाए ये आरोप

पीलीभीत, एजेंसी। पीलीभीत शहर से सटी एक कॉलोनी की धारा-80 से जुड़ी झूठी शिकायत के जरिये वसूली और डराने-धमकाने के आरोप में पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के शाहजहांपुर विभाग संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। यह मुकदमा एडीएम वित्त एवं राजस्व ऋतु पूनिया की तहरीर पर दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। एडीएम ने कोतवाली में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया है कि प्रिंस गौड़ ने मंडलायुक्त को एक पत्र भेजा था, जिसमें उनके खिलाफ तथ्यहीन और भ्रामक आरोप लगाए गए। पत्र में लिखा गया था कि एडीएम ने शहर से सटी कॉलोनी की धारा-80 की कार्रवाई की है, जबकि यह अधिकार क्षेत्र एसडीएम का होता है।

यूपी में युवक का गला काटाः घर जाते वक्त हुआ था विवाद, बेटे की लाश देख बेसुध हुई मां; पिता ने दी नामजद तहरीर

बलिया, एजेंसी। बलिया के मनियर थाना क्षेत्र के महालीपुर निवासी चंदन राजभर (24) की बीती रात अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। घटना की खबर लगते ही क्षेत्र में खलबली मच गई। सूचना पर पहुंचे उच्चाधिकारियों ने मामले की जानकारी किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज मामले की छानबीन में जुट गई। गांव में तनाव को देखते हुए दो थानों की पुलिस तैनात है। महालीपुर गांव निवासी गणेश राजभर का बेटा चंदन राजभर देर शाम डेरा से घर पर खाना खाने जा रहा था। मनियर-बड़ागांव मार्ग के महली पुर पुलिया के पास कुछ बदमाश पहले से बैठे हुए थे। चंदन को देख गाली-गलौज देते हुए धारदार हथियार से हमला कर दिया।युवक बुरी तरह से घायल होकर जमीन पर बेसुध होकर गिर पड़ा। आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां स्वास्थ्यकर्मी ने प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इमरजेंसी में चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक के पिता ने पुलिस को तीन लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर हत्या का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी कौशल पाठक ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम को भेज आगे की कार्रवाई में जुट गई है। पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। हत्या के पीछे युवकों के दो गुटों का विवाद बताया जा रहा है।

यूपी में एसआईआरः दो दिनों में 2003 की मतदाता सूची से मिलान का काम, बीएलओ से बुक से कर सकते हैं कॉल

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रदेश में हो रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर शनिवार को सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की। रिणवा ने निर्देश दिए कि जिन मतदाताओं के नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में शामिल है, उनकी वर्तमान मतदाता सूची से मैपिंग (मिलान) का काम अगले 2 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाए। समीक्षा में यह पाया गया कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों ने राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर उन्हें एसआईआर की प्रक्रिया की जानकारी दे दी है। उनसे बूथ लेबल एजेंट नियुक्त करने का अनुरोध भी किया गया है, जो पुनरीक्षण कार्यों में बीएलओ का सहयोग करेंगे।

गणना प्रपत्र वितरण में धीमी प्रगति वाले जिलों प्रयागराज, मेरठ, हरदोई, बहराईच, वाराणसी, बलरामपुर, सोनभद्र, गाजीपुर, देवरिया, अमरोहा, जौनपुर, फतेहपुर, गाजियाबाद, शाहजहंपुर, गोरखपुर, कासगंज, आगरा, उन्नाव, बदायूं, बांदा और हापुड़ को वितरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को 15 नवंबर तक गणना प्रपत्र शत-प्रतिशत वितरित कराने के निर्देश दिए गए। सभी बीएलओ को यह निर्देश जारी करने के लिए कहा गया कि वे बीएलओ एप का एडवांस वर्जन-8.7 प्ले स्टोर से डाउनलोड कर लें। जिन मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किया जा रहा है, उनको बीएलओ एप पर मार्क करते रहें, जिससे कि वितरण की प्रगति ऑनलाइन अपडेट हो सके।

बीएलओ से संपर्क के लिए बुक करें कॉल : मतदाताओं की सुविधा के लिए बुक ए कॉल विद बीएलओ की सुविधा दी गई है। कोई भी मतदाता 1श्ह्लद्गह्ल्ह्य.द्गष्द्ब.द्दश1.द्बठ्ठ पोर्टल के माध्यम से अपने बीएलओ से बात करने का अनुरोध डाल सकता है। बीएलओ को अगले 48 घंटों के भीतर आवेदक से संपर्क कर समस्या का निदान करना होगा।

लापरवाही पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी : एसआईआर के दौरान सभी जिलों में जिला संपर्क केंद्र (डीसीसी) शुरू हो चुके हैं। डीसीसी में कॉल करने के लिए उस जिले के एसटीडी कोड के साथ 1950 डायल करना होगा। यह भी निर्देश दिए किसी भी भ्रामक पोस्ट पर तत्काल तथ्यपरक उत्तर दिया जाए। एसआईआर के दौरान किसी भी स्तर पर काम में लापरवाही और निर्देशों की अवहेलना पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। सीईओ ने राजनीतिक दलों से भी सहयोग मांगा।

माता-पिता के साथ सिर्फ इन परिवारिक लोगों के ब्योरे होंगे मान्य, बीएलओ को दिए गए निर्देश

मतदात सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में माता-पिता और दादा-दादी का ब्योरा ही मान्य होगा। यूपी में किसी अन्य रक्त संबंधी की डिटेल बीएलओ नहीं लेंगे। इस संबंध में सभी बीएलओ को निर्देश दे दिए गए हैं।

इन दिनों एसआईआर के लिए गणना फॉर्म वितरित करने का काम चल रहा है। गणना फॉर्म मतदाताओं को बांटने और इन्हें भरवाकर वापस लेने का काम 4 नवंबर को प्रारंभ हुआ था, जो 4 दिसंबर तक चलेगा। गणना फॉर्म में यह व्यवस्था की गई है कि अगर वर्ष 2003 की मतदाता सूची में किसी व्यक्ति का नाम है, तो उसे उस विधानसभा क्षेत्र की संख्या, भाग संख्या और क्रम संख्या का ब्योरा देना होगा। इसके बाद उससे कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा।

गणना फॉर्म एक कॉलम में यह व्यवस्था भी की गई है कि अगर उस व्यक्ति का खुद का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नहीं है, पर उसके संबंधी (रिलेटिव) का नाम 2003 की सूची में है, तो वह अपने उस संबंधी का ब्योरा दे सकता है। बाद में आयोग की सुनवाई के दौरान उस संबंधी से अपना रिश्ता साबित करने के लिए उसे कोई एक मान्य दस्तावेज लगाना होगा।

यहां सवाल यह है कि संबंधी की श्रेणी में कौन-कौन आएगा। चुनाव आयोग के स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि इसमें सिर्फ माता-पिता, दादा-दादी और नाना-नानी की डिटेल ही भरी जा सकती है। जब कोई मतदाता अपना गणना प्रपत्र ऑनलाइन भरता है, तो उसमें इसे स्पष्ट भी किया जा रहा है। इसलिए किसी अन्य रक्त संबंधी यानी चाचा-ताऊ की डिटेल स्वीकार नहीं की जाएगी। यहां बता दें कि पश्चिमी बंगाल में रक्त संबंधियों में चाचा-ताऊ (अंकल) को शामिल करने की मांग उठ रही है।

20 साल में पुरुषों में बढ़ा 30 फीसदी नपुंसकता, विशेषज्ञ बोले- सोशल मीडिया नुस्खों से घट रहा स्पर्म काउंट

कानपुर, एजेंसी। पुरुषों में नपुंसकता की समस्या बढ़ रही है। 20 वर्षों में पुरुष नपुंसकता के रोगी 30 फीसदी बढ़े हैं। इनमें शुक्राणुओं की संख्या कम हो रही है। शुक्राणुओं की क्वालिटी भी गिरती जा रही है। एसोसिएशन सर्जंस ऑफ इंडिया की यूपी एएसआईकॉन-2025 में विशेषज्ञों ने बताया कि तनाव से नपुंसकता की समस्या बढ़ी है। सोशल मीडिया पर बताए जा रहे यौनवर्धक नुस्खों के सेवन से युवाओं में शुक्राणुओं का प्रतिशत घट रहा है।

बिठूर के एक होटल में आयोजित यूपी एएसआईकॉन के दूसरे दिन डॉ. मो. असलम ने बताया कि मस्तिष्क में हाइपोथैलेमस के नीचे पिटयूटरी ग्रंथि होती है। इसके हार्मोस के रिसाव का प्रभाव अंडकोष पर आता है और शुक्राणुओं का निर्माण होता है। अत्यधिक मानसिक तनाव के प्रभाव से पिटयूटरी ग्रंथि का रिसाव प्रभावित होता है। इससे शुक्राणुओं की क्वालिटी और संख्या प्रभावित होती है।

29 फीसदी केस में हो जाता है गर्भधारण : अंडकोष के कार्य को टेस्टीस्टेरोन, एफएसएच, एलएच हार्मोन प्रभावित करते हैं। इनका संतुलन बिगड़ने से स्पर्म काउंट घट जाता है। ऐसे में अगर किसी दंपती के बच्चे नहीं हो रहे हैं, तो पति और पत्नी दोनों को जांच करानी चाहिए। उन्होंने बताया कि लो स्पर्म काउंट के मामले में विशेष तकनीक अपनाने पर 29 फीसदी केस में गर्भधारण हो जाता है।

बांझपन का शिकार लोग इलाज से ठीक हो जा रहे हैं : पिटयूटरी ग्रंथि में ट्यूमर, जेनेटिक डिस्ऑर्डर से भी स्पर्म काउंट प्रभावित होता है। अपने मन से मेडिकल स्टोर से दवा लेकर खाने वालों, गांजा, धूम्रपान और दूसरे नशे लेने वालों का भी स्पर्म काउंट नीचे आ जाता है। नशा स्पर्म की क्वॉलिटी को घटा देता है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के नुस्खों का इस्तेमाल करने से बांझपन का शिकार लोग इलाज से ठीक हो जा रहे हैं।

कोडीन सिरप के जरिए पूरे प्रदेश में फैला नशे का कारोबार, नेपाल और बांग्लादेश तक हुई सप्लाई

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में पकड़ी गई कोडीन युक्त कफ सिरप की आपूर्ति उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में हुई। वहां से सीमावर्ती जिलों और बिहार के रास्ते नेपाल भेजी गई हैं। पश्चिम बंगाल के जरिए बांग्लादेश तक दवाओं की आपूर्ति हुई है। इसके पुख्ता सबूत मिलने के बाद शनिवार को कंपनियों के निदेशकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। विभाग की जांच में यह पता चला कि लखनऊ फर्म अर्पिक फार्मासियूटिकल और ईधिका लाइफसाइंसेज ने कोडीन युक्त सिरप अवैध बिल के जरिए तमाम फर्मों तक पहुंचाया। इसमें कुछ फर्म अवैध रूप से चल रही हैं तो कुछ का अस्तित्व ही नहीं है। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि इस कंपनी ने दवाओं की बिक्री उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ ही बिहार और पश्चिम बंगाल में भी किया है। आपूर्ति संबंधी बिल के सत्यापन के लिए कंपनी को नोटिस जारी किया गया, लेकिन कंपनी ने कोई जवाब नहीं दिया।

फर्जी बिल, गलत लाइसेंस नंबर से हुई दवाओं की आपूर्ति : लखनऊ मंडल से सहायक आयुक्त ब्रजेश कुमार ने बताया कि दोनों फर्मों के दस्तावेजों की जांच के दौरान यह बात भी सामने आई कि दोनों फर्मों ने फर्जी बिलों एवं काल्पनिक लाइसेंसधारी व गलत लाइसेंस नंबर के आधार पर भी कोडीनयुक्त सिरप की आपूर्ति और विक्रय किया। पहले भी इस कंपनी के खिलाफ कोडीनयुक्त सिरप को नशे के रूप में बेचने के मामले सामने आ चुके हैं। जांच में पता चला कि यह सिरप नशे के लिए ही उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों और अन्य राज्यों में भेजा जा रहा है। इसका संगठित गिरोह है। इसे औषधि के रूप में प्रयोग करने के बजाय नशे के रूप में ही बेचा जा रहा है।

संदिग्ध मेडिकल स्टोर की सघन जांच जारी : आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ रोशन जैकब ने बताया कि प्रदेश में निरंतर जांच अभियान चल रहा है। जिन राज्यों में दवाओं की आपूर्ति होने के सबूत मिले हैं, वहां भी अवगत कराया गाय है। अब तक 115 नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। 16 एफआईआर दर्ज कर 6 को गिरफ्तार किया गया है। 25 मेडिकल स्टोर्स पर कोडीन युक्त सिरप एवं नॉरकोटिक औषधियों की बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है।

भाजपा की एकता यात्रा में शामिल होंगे सीएम, शहर में बदला रहेगा यातायात- यहां किया गया बदलाव

गोरखपुर, एजेंसी। नगर निगम में सोमवार को सामूहिक वंदेमातरम और भाजपा की एकता यात्रा के चलते यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में शामिल होने के चलते ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन किया है। यह डायवर्जन सोमवार सुबह 07:00 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक प्रभावी रूप से लागू रहेगी।

एंबुलेंस व अन्य इमरजेंसी वाहनों पर यह लागू नहीं रहेगा। एसपी ट्रैफिक ने आम जनमानस से अपील है कि अपने गंतव्य पर समय से पहुंचने के लिए एक घंटे पूर्व अपने स्थान से निकलना सुनिश्चित करें।

यह किया गया बदलाव : टीपीनगर से टीडीएम अहलादपुर होकर बेतियाहाता की तरफ आने वाले कामर्शियल वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। ये वाहन रुस्तमपुर चौराहा पैडलेगंज चौराहा होकर अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

शास्त्री चौराहा से कचहरी चौराहा की तरफ सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। यह वाहन शास्त्री चौराहा आंबेडकर चौराहा होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

घोष कंपनी से टाउनहाल की तरफ आने वाले वाहन शास्त्री चौराहा की तरफ डायवर्ट रहेंगे।

अग्रसेन तिराहा से टाउनहॉल की तरफ आने वाले वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। ये वाहन जुबली तिराहा बक्शीपुर होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

विजय चौराहा से गणेश चौराहा की तरफ आने वाले वाहन सुमेर सागर की तरफ डायवर्ट रहेंगे।

कालीमंदिर से गणेश चौराहा की तरफ आने वाले वाहन पुलिस लाइन तिराहा की तरफ डायवर्ट रहेंगे।

तमकुही तिराहा से कचहरी की तरफ आने वाले वाहन प्रतिबंधित रहेगें। वाहन आंबेडकर चौराहा एवं हरिओम नगर तिराहा होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

पोस्ट ऑफिस तिराहा से किसी भी प्रकार के वाहन गणेश चौक की तरफ नहीं आएंगे। ये वाहन हरिओमनगर नगर तिराहा व आंबेडकर चौराहा से अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

आयकर भवन तिराहा से हरिओमनगर तिराहा की तरफ आने वाले वाहन पुराना आरटीओ तिराहा की तरफ डायवर्ट रहेंगे।

आंबेडकर चौराहा से तमकुही तिराहा की आने वाले वाहन छात्र संघ रुस्तमपुर होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

असुरन चौराहा से काली मंदिर की तरफ सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। ये वाहन कौवा बाग मोहद्दीपुर होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

हड्डी माई तिराहा से टाउन हॉल की तरफ सभी प्रकार के वाहन का जाना प्रतिबंधित रहेगा। ये वाहन अग्रसेन तिराहा से होकर अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

पुजारी आप ही हैं..., पूछकर बदमाशों ने छलनी कर दिया सीना

आवाज सुन पहुंचे परिजन, बदमाश भागे; रपट दर्ज

गाजीपुर, एजेंसी। गाजीपुर के शादियाबाद थाना क्षेत्र के सौरी ग्राम सभा में बीती रात लगभग एक बजे कुछ अज्ञात बदमाशों ने गांव निवासी बबलू राय उर्फ सोखा पर जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने उन पर गोली चला दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

गोली की आवाज सुनते ही परिवार के लोग नींद से जाग गए और मौके की ओर दौड़े। इसी दौरान दोनों हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। घायल बबलू राय जो पूजा-पाठ का कार्य करते हैं, को परिजनों ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति गंभीर देख ट्रॉमा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया।

परिजनों में मचा कोहराम

सूचना मिलते ही सीओ भड़कुड़ा चोब सिंह और थानाध्यक्ष शादियाबाद श्यामजी यादव पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। थाना प्रभारी श्यामजी यादव ने बताया कि घटना की तहरीर दो अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मिली है, जिनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

घायल बबलू राय ने बताया कि जब उन्होंने दो लोगों को आपस में बातचीत करते देखा और उनसे पूछा कि कौन हैं?, तो उनमें से एक ने कहा कि पुजारी आप ही हैं?, इतना कहते ही हमलावर ने दो गोलियां चला दीं। दोनों हमलावर पास में खड़ी बाइक से फरार हो गए। पुलिस ने पूरे इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया है और बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है।

दीप्ति का होगा ऐतिहासिक स्वागत...महिला आयोग की अध्यक्ष बोलीं- आगरा की बेटी ने बढ़ाया देश का मान

आगरा, एजेंसी। महिला क्रिकेट विश्वकप विजेता टीम की सदस्य दीप्ति शर्मा के आगरा आगमन की तारीख अभी तय नहीं हो सकी है। मगर, खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने दीप्ति के स्वागत को ऐतिहासिक बनाने की रूपरेखा तैयार कर ली है। वह इस दिशा में जुट भी गए हैं। उनका दावा है कि 8 साल पहले के रोड शो से बड़ा जश्न इस बार करेंगे। वहीं दीप्ति के स्वागत के लिए जगह-जगह होर्डिंग्स और बैनर लग गए हैं। मंटोला से लेकर संजय प्लेस, एमजी रोड, शाहगंज और बल्केश्वर तक के मुख्य चौराहों पर होर्डिंग नजर आ रहे हैं।

शहर की विभिन्न संस्थाएं और खेल प्रेमी इन दिनों दीप्ति शर्मा के भाई सुमित से लगातार संपर्क में हैं। वर्ष 2017 में जब दीप्ति शर्मा, पूनम यादव और हेमलता काला इंग्लैंड में खेले गए महिला विश्वकप (24 जून से 23 जुलाई) की उपविजेता टीम के रूप में भारत लौटी थीं, तब आगरा में उनका स्वागत किसी त्योहार से कम नहीं था। 28 जुलाई 2017 को भगवान टॉकीज से एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम तक आयोजित हुआ रोड शो आज भी लोगों की स्मृतियों में दर्ज है। अब जब दीप्ति विश्वकप विजेता बनकर लौट रही हैं तो शहर में वही उत्साह फिर लौट आया है। पूर्व क्रिकेटर हरविजय सिंह वाहिया, ताज मोटर स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष राजीव गुप्ता, महिला शांति सेना की अध्यक्ष डॉ. वत्सला प्रभाकर, लीडर्स आगरा के महासचिव सुनील जैन आदि इसके लिए लोगों से भी संपर्क कर रहे हैं।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बोलीं, आगरा की बेटी ने बढ़ाया देश का मान

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के अवधपुरी स्थित आवास पर शनिवार को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान पहुंचीं। उन्होंने दीप्ति के पिता श्रीभगवान शर्मा, माता सुशीला शर्मा और भाई सुमित का मुंह मीठा कराया और कहा कि दीप्ति ने देश का मान बढ़ाया है।

डॉ. चौहान ने कहा कि आगरा से निकलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाना प्रेरणा का प्रतीक है। वह नई पीढ़ी की बेटियों के लिए आत्मविश्वास की मिसाल हैं। बेटी को आगे बढ़ाने में परिवार का सहयोग और विश्वास सबसे बड़ी पूंजी है। शर्मा परिवार ने यह साबित किया है कि समर्पण और समर्थन से कोई भी बेटी नई ऊंचाइयां छू सकती है। परिजन ने भी डॉ. बबीता चौहान का स्वागत किया।

शादी समारोह में युवक की हार्टअटैक से मौत, कार में इस हाल में मिली लाश; मच गई चीखपुकार

आगरा, एजेंसी। आगरा के एकता थाना क्षेत्र के एक होटल में शादी समारोह में शामिल होने आए युवक को कार में हार्ट अटैक आ गया। पता चलते ही साथी उसे अस्पताल ले गए लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। युवक प्रयागराज से आया था। परिजन शुक्रवार रात पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर चले गए।

प्रयागराज के गोपालगंज निवासी नवीन केशरवानी (22) व्यापारी सुगम अग्रवाल के साथ आगरा आए थे। सुगम अग्रवाल ने बताया कि तोरा चौकी के पास एक होटल में उनके साले की बेटी की शादी थी। उनके साथ परिवार के अन्य सदस्य भी थे। नवीन खाना खाकर रात करीब 10 बजे कार में आकर सो गया।

वह शादी समारोह के समापन के बाद रात करीब दो बजे कार के पास आए। नवीन गहरी नींद में था। उन्होंने नवीन को होटल में जाकर सोने के लिए बोला लेकिन उसने मना कर दिया। वह होटल में लौट गए। सुबह करीब 8 बजे कार के पास अन्य लोग अपनी कार ले जाने के लिए आए। उन्होंने नवीन के शरीर में कोई हलचल न होने की सूचना दी।

सुगम ने बताया कि कार का शीशा आधा खुला था। नवीन आगे वाली सीट पर लेटा था। जल्दी से एंबुलेंस बुलाई और नवीन को अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर आई पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। ताज सुरक्षा एसीपी पीके राय ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या हार्टअटैक को मौत का कारण माना जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ सकेगी।एसएन मेडिकल कॉलेज के हृदय रोग विभागाध्यक्ष डॉ. बसंत गुप्ता ने बताया कि सर्दी में नसें सिकुड़ जाती हैं। इससे कार्डियक अरेस्ट का खतरा बढ़ जाता है।

उच्च रक्तचाप और हृदय रोगी धूप खिलने के बाद घर से बाहर जाएं। चिकित्सक से मिलकर दवाएं भी एडजस्ट करवाएं। खास बात बिस्तर से उठने के बाद शरीर को वार्मअप जरूर कर लें। पसीना आना, घबराहट, भारीपन, सांस फूलना, सीने में भारीपन दिखे तो चिकित्सक को दिखाने में देरी न करें।

टेनिसः

जोकोविच ने फैंस को चौंकाया, एटीपी फाइनल्स से नाम लिया वापस

एथेंस, एजेंसी। स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने एथेंस में शानदार जीत दर्ज करने के कुछ घंटों बाद ही एटीपी फाइनल्स से नाम वापस लेने का ऐलान करते हुए फैंस को चौंका दिया। नोवाक जोकोविच ने हेलेनिक चैंपियनशिप में खिताब जीता। 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने करीब 3 घंटों तक चले फाइनल में लोरेंजो मुसेट्टी को 4-6, 6-3, 7-5 से शिकस्त दी। इस दौरान निर्णायक सेट में 13 ब्रेक प्वाइंट और पांच बार सर्विस ब्रेक शामिल थे।

मुसेट्टी को एटीपी टूर फाइनल में लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने साल 2022 में हैम्बर्ग और नेपल्स में अपने पहले दो खिताब जीते थे। जीत के बाद जोकोविच ने सोशल मीडिया पर एटीपी फाइनल्स से नाम वापस लेने की घोषणा करते हुए कहा, मुझे दुख है कि चोट की वजह से एटीपी फाइनल्स से हटना पड़ रहा है। मुझे स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। मैं उन फैंस से माफी चाहता हूं, जो मुझे खेलते हुए देखने की उम्मीद कर रहे थे। आपका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस फैसले के बाद मुसेट्टी अब उनकी जगह ट्यूरिन में खेले जाने वाले एटीपी फाइनल्स में शामिल होंगे। इससे पहले साल 2024 में भी जोकोविच चोटिल होने की वजह से यह टूर्नामेंट मिस कर चुके हैं। हार्ड कोर्ट पर अपने 72वें टूर-स्तरीय खिताब के साथ जोकोविच ने ओपन एरा में सर्वाधिक खिताब जीतने के मामले में रोजर फेडरर की बराबरी कर ली है।

जीत के बाद नोवाक जोकोविच ने कहा, मैं यह जीत ग्रीस के लोगों को समर्पित करता हूं। आप मेरा समर्थन करते हैं। आप टेनिस का समर्थन करते हैं। आपने मुझे घर जैसा महसूस कराया है। यह जीत यहां इतने सारे परिवारों के साथ और भी खास लगती है। इस खूबसूरत टूर्नामेंट को इतना खास बनाने वाले सभी लोगों का भी बहुत-बहुत आभार। जोकोविच ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मुसेट्टी, क्या शानदार मुकाबला था। अविश्वसनीय प्रदर्शन और टूर्नामेंट के लिए बधाई। इसे जारी रखो, तुम्हारा भविष्य उज्ज्वल है।

विश्व चैंपियन डी गुकेश फिडे विश्व कप से बाहर

● जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन ने हराया

पणजी, एजेंसी। विश्व चैंपियन डी गुकेश शनिवार को फिडे विश्व कप के तीसरे दौर में जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन से हारकर बाहर हो गए। भारत के शतरंज प्रेमियों के लिए गुकेश का तीसरे दौर से ही बाहर होना चौंकाने वाला है। गुकेश तीसरे दौर की दूसरी बाजी सामान्य समय नियंत्रण में फ्रेडरिक स्वेन से हार गए। गुकेश ने स्थिति का आकलन करने में गलती की।

स्वेन ने अंतिम खेल में अपने बेदाग कौशल का प्रदर्शन करके इतिहास रच दिया। अर्जुन एरिगैसी और आर प्रज्ञानंदा अंतिम-32 चरण में जगह बनाने में सफल रहे। एरिगैसी और प्रज्ञानंदा ने क्रमशः उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन वोखिदोव और आर्मेनिया के रॉबर्ट होवहानिस्यान को हराकर अंतिम-32 में जगह बनाई। एरिगैसी के लिए अगले दौर में पहुंचने के लिए ड्रॉ की जरूरत थी, जबकि प्रज्ञानंदा ने शुक्रवार को पहला मैच ड्रॉ खेलने के बाद शानदार खेल दिखाते हुए जीत हासिल की। ग्रैंडमास्टर पी. हरिकृष्णा और वी. प्रणव ने भी अंतिम-32 चरण में जगह बनाई। उन्होंने बेल्जियम के डैनियल दर्धा और लिथुआनिया के टिटास स्ट्रेमाविसियस को समान 1.5-0.5 के अंतर से हराया। हरिकृष्णा कट बनाने वाले पहले भारतीय थे। वह सफेद मोहरों से कुछ नहीं कर पाए थे, और भारतीय के खिलाफ पहली बाजी हार निर्णायक साबित हुई। प्रणव ने शुक्रवार को सफेद मोहरों से पहली बाजी जीतने के बाद काले मोहरों से बाजी ड्रॉ कर ली।

स्ट्रेमाविसियस ने प्रणव की रक्षापंक्ति को भेदने की भरपूर कोशिश की, लेकिन प्रणव ने रूक-एंड-पॉन्स एंडगेम में खेल को ड्रॉ पर ला दिया। दिप्तयान घोष अर्मेनियाई गैब्रियल सर्गिसियन के खिलाफ हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। पहले गेम में सफेद मोहरों से आसान ड्रॉ हासिल करने के बाद, दिप्तयान, जिन्होंने पिछले राउंड में रूस के इयान नेपोमनियाची को हराया था, दूसरे गेम में अपनी लय नहीं पकड़ पाए और 0.5-1.5 से हार गए। शनिवार का दिन डी गुकेश के बाहर होने की वजह से चौंकाने वाला रहा। भारतीय दल को विश्व कप में गुकेश से बड़ी उम्मीद थी।

वैभव सूर्यवंशी-प्रियांश आर्या ओपनर, नेहल वढेरा-नमनधीर को भी मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। राइजिंग स्टार्स एशिया कप का आयोजन 14 नवंबर से 23 नवंबर तक दोहा में किया जाएगा। इस टूर्नामेंट के सभी मैच वेस्ट एंड इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के लिए इंडिया ए टीम का ऐलान 5 नवंबर को ही कर दिया था। इस बार इंडिया को ग्रुप बी में ओमान, यूएई और पाकिस्तान ए के साथ रखा गया है।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए इंडिया ए की बेस्ट प्लेइंग इलेवन

भारत को लीग स्टेज में अपना पहला मैच 14 नवंबर को यूएई के साथ खेलना है और इसके बाद दूसरा मैच पाकिस्तान ए के खिलाफ 16 नवंबर को खेलना है और फिर आखिरी लीग मैच ओमान के खिलाफ 18 नवंबर को खेलना है। इस टूर्नामेंट के लिए एक बेहद मजबूत इंडिया ए टीम का चयन किया गया है जिसमें एक से बढ़कर एक स्टार प्लेयर्स मौजूद हैं।

इस एशिया कप के लिए इंडिया को बेहद मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। भारत को इस टूर्नामेंट में विरोधी टीमों को हराने के लिए एक मजबूत प्लेइंग इलेवन का साथ मैदान पर उतरना होगा और वो कुछ ऐसी हो सकती है। इंडिया ए टीम की तरफ से पारी की शुरुआत वैभव सूर्यवंशी के साथ प्रियांश आर्या कर सकते हैं जबकि तीसरे नंबर पर नेहल वढेरा बल्लेबाजी कर सकते हैं। बैटिंग क्रम में चौथे नंबर पर नमनधीर हो सकते हैं जबकि कप्तान व विकेटकीपर जितेश शर्मा पांचवें नंबर पर आ सकते हैं। इसके बाद टीम में बतौर ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे, रमनदीप सिंह और हर्ष दुबे हो सकते हैं। टीम में तेज गेंदबाज के रूप में यश ठाकुर और गुरजपनीत सिंह को प्लेइंग इलेवन में जगह दी जा सकती है जबकि विशेषज्ञ ओपनर के रूप में सुयश शर्मा हो सकते हैं।

एलिना राइबकिना ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीता: टूर्नामेंट में उनका पहला खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। कजाकिस्तान की टेनिस खिलाड़ी एलिना राइबकिना ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब अपने नामकर लिया है। इस ईयर एंडिंग टूर्नामेंट के फाइनल में छठी सीड राइबकिना ने वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका को लगातार सेट में 6-3, 7-6 से हराया। 26 साल की राइबकिना पहली बार यह खिताब जीतने में सफल रहीं। उन्होंने टूर्नामेंट में सभी पांचों मुकाबले जीते। इसी के साथ उन्हें 46 करोड़ रुपए की प्राइज मनी मिली। राइबकिना ने टूर्नामेंट में वर्ल्ड नंबर-1 (सबालेंका)और वर्ल्ड नंबर-2 (इगा स्वातेक) दोनों को हराया। यह उनके करियर का 11वां टाइटल है। उन्होंने इस साल तीसरी बार कोई ट्रॉफी उठाई।

साबालेंका ने शनिवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से हरा कर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई किया था। वह तीन साल में पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स के खिताब के लिए क्वालीफाई किया। सेमीफाइनल के पहले सेट में उन्होंने अनिसिमोवा को 6-3 से आसानी से हराया। हालांकि, दूसरे सेट में अनिसिमोवा ने शानदार वापसी की और 3-6 से यह सेट अपने नाम किया। निर्णायक तीसरे सेट में साबालेंका ने 4-3 की बढ़त लेकर जीत सुनिश्चित की। मैच के बाद साबालेंका ने कहा,अगर मैं हार भी जाती तो भी फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि यह एक शानदार मैच था।

इंडोनेशिया की महिला टीम टी-20 विश्व कप में प्रवेश के लिए धर्मशाला में कर रही तैयारी

धर्मशाला, एजेंसी। इंग्लैंड की ठंडी फिजाओं में जून, 2026 में होने वाले महिला टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इंडोनेशिया की टीम धर्मशाला में तैयारी कर रही है। महिला क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप में प्रवेश पाने के लिए खूब पसीना बहा रही है। महिला टीम 2026 में इंग्लैंड में होने वाले महिला टी-20 वर्ल्ड कप में क्वालिफाई करना चाहती है।

इसके लिए टीम ने धर्मशाला के ठंडे वातावरण में तीन दिन प्रैक्टिस की है, जबकि सोमवार को इंडोनेशिया की टीम हिमाचल के साथ ऊना में मैच खेलेगी। जानकारी के अनुसार इंडोनेशिया की महिला क्रिकेट टीम हिमाचल की ठंडी वादियों में क्रिकेट की बारीकियां सीख रही है। अगले वर्ष होने वाले महिला टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी इंग्लैंड करेगा।

इंग्लैंड के क्रिकेट स्टेडियमों की स्थिति ठंडी होती है, क्योंकि वहां का मौसम सामान्यतया ठंडा और नम रहता है। इंग्लैंड की पिचें अक्सर हरी-भरी और स्विंग को बढ़ावा देने वाली होती हैं, जो मौसम के अनुरूप बदलती रहती हैं। वहीं इन ठंडी पिचों पर खेलने के अभ्यास के लिए इंडोनेशिया की महिला टीम हिमाचल में प्रैक्टिस कर रही है। इंडोनेशिया की 14 सदस्यीय टीम भारत मूल के अपने हेड कोच विकास यादव, इंग्लैंड मूल के कोच एंडी कॉटन की अगवाई में धर्मशाला पहुंची है। महिला टीम एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में प्रैक्टिस कर रही है। टीम रविवार को भी स्टेडियम में नैट पर प्रैक्टिस करेगी।

कोच एंडी कॉटन ने की धर्मशाला स्टेडियम की तारीफ

इंडोनेशिया की टीम के कोच एंडी कॉटन ने धर्मशाला स्टेडियम की खूबसूरती की तारीफ करते हुए कहा कि वह इंग्लैंड से संबंध रखते हैं। ऐसे में धर्मशाला और इंग्लैंड के मौसम में कुछ ज्यादा अंतर नहीं है।

उनकी टीम का प्रयास रहेगा कि वह अगले वर्ष इंग्लैंड में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में अच्छा प्रदर्शन करे। कोच ने बताया कि धर्मशाला आने का उनका मकसद यहां की ठंडी पिचों पर प्रैक्टिस करना है।

इसके अलावा एचपीसीए की ओर से महिला टीम के साथ कुछ मैच भी रखे हैं, जिसका वह फायदा उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाड़ी जितना अन्य टीमों के साथ खेलेंगे, उनके प्रदर्शन में उतना ही सुधार होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि धर्मशाला में खिलाड़ियों द्वारा किए जा रहे अभ्यास से इंग्लैंड की स्विंग करती हुई पिचों पर खेलने में मदद करेगी।

आखिरी ओवर में 12 रन नहीं बना सकी वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड ने तीसरे टी-20 में 9 रन से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने रविवार को नेल्सन में खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 9 रन से हरा दिया। कीवी टीम ने इसी के साथ 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 178 रन बनाए, जिसके जवाब में कैरेबियाई टीम 19.5 ओवर में 168 रन पर ऑलआउट हो गई। वेस्टइंडीज को आखिरी ओवर में जीत के लिए 12 रन की जरूरत थी, लेकिन टीम यह टारगेट हासिल नहीं कर सकी। अब दोनों टीमें चौथा टी-20 मुकाबला कल यानी 10 नवंबर को नेल्सन में ही खेलेंगी, जहां वेस्टइंडीज सीरीज में बराबरी की कोशिश करेगी।

ईश सोढी ने 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

कॉन्वे का अर्धशतक

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी-20 में डेवोन कॉन्वे और टिम रॉबिन्सन ने न्यूजीलैंड के लिए जबरदस्त शुरुआत की। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 47 रन की पार्टनरशिप हुई। हालांकि, रॉबिन्सन 21 गेंद में 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा कॉन्वे ने 34 गेंद में 56 रन की पारी खेली।

चौथे नंबर पर बैटिंग करने उतरे डेरिल मिचेल ने भी 24 गेंद में 41 रन की पारी खेली, जबकि रचिन रवींद्र ने 15 गेंद में 26 रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज के लिए मैथ्यू फोर्ड और जेसन होल्डर ने 2-2 विकेट झटके। रोमारियो शेफर्ड और शमर स्प्रिंगर को 1-1 मिला।

ईश सोढी प्लेयर ऑफ द मैच

178 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर अमीर जंगू 13 रन के स्कोर पर आउट हो गए। जंगू (5) को जैकब डफी ने बोल्ड कर दिया। दूसरा विकेट 15 रन के स्कोर पर गिरा।

आरसीबी की नई असिस्टेंट कोच होंगी अन्या श्रुबसोल, फ्रेंचाइजी ने कर दी पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर अन्या श्रुबसोल को असिस्टेंट कोच नियुक्त करने की पुष्टि की है। वनडे वर्ल्ड कप 2017 की विजेता पहली बार विमेंस प्रीमियर लीग (डब्लूपीएल) में आरसीबी के सेटअप का हिस्सा होंगी। अन्या श्रुबसोल अब मलोलन रंगराजन के साथ जिम्मेदारी संभालेंगी, जिन्हें आगामी सीजन के लिए हेड कोच के रूप में पदोन्नत किया गया है।

फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा करते हुए लिखा, एक चैंपियन, अब हमारी लड़कियों का मार्गदर्शन करने के लिए आगे आ रही हैं। इंग्लैंड की पूर्व तेज गेंदबाज, 2017 महिला विश्व कप विजेता और फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहीं अन्या श्रुबसोल का डब्लूपीएल में आरसीबी के असिस्टेंट कोच के रूप में स्वागत करने में हमारे साथ शामिल हों। अन्या का अनुभव और चैंपियन मानसिकता आरसीबी के प्लेबोल्ड दर्शन को आगे ले जाएगी। श्रुबसोल साल 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले चुकी हैं। उनके नाम 200 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट दर्ज हैं। श्रुबसोल ने अब अपना ध्यान कोचिंग पर केंद्रित कर लिया है। वह इंग्लिश घरेलू सर्किट में सदर्न वाइपर्स में चार्लोट एडवर्ड्स के अधीन प्लेयर-असिस्टेंट कोच के रूप में काम कर चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि यह बदलाव 2024 और 2025 के अभियानों के दौरान आरसीबी के हेड कोच रहे ल्यूक विलियम्स के बिग बैश लीग (बीबीएल) में एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण सीजन से बाहर होने के बाद हुए हैं।

आरसीबी ने इस सप्ताह की शुरुआत में डब्ल्यूपीएल 2026 की मेगा नीलामी से पहले स्मृति मंधाना, ऋचा घोष, एलिस पेरी और श्रेयंका पाटिल को टीम में बनाए रखने की घोषणा की है। डब्ल्यूपीएल 2024 में आरसीबी को जीत दिलाने वालीं कप्तान स्मृति मंधाना अपनी भूमिका जारी रखेंगी। उन्हें 3.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज घोष ने भी 2.75 करोड़ रुपये में फ्रेंचाइजी के साथ फिर से करार किया है। एलिस पेरी 2 करोड़ रुपये में आरसीबी के साथ बनी रहेंगी, जबकि स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को 60 लाख रुपये में रिटेन किया गया है।

लिएंडर पेस अब करेंगे बंगाल टेनिस का नेतृत्व, संघ के अध्यक्ष का पदभार संभाला

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस ने शनिवार को बंगाल टेनिस संघ (बीटीए) के अध्यक्ष पद का कार्यभार औपचारिक रूप से संभाल लिया।

भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस ने शनिवार को बंगाल टेनिस संघ (बीटीए) के अध्यक्ष पद का कार्यभार औपचारिक रूप से संभाल लिया। उन्होंने हिरण्मय चटर्जी का स्थान लिया। बीटीए की वार्षिक आम बैठक के बाद पेस ने अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी ग्रहण की। उन्हें पिछले महीने संघ के प्रमुख पद के लिए सर्वसम्मति से चुना गया था।

पुरुष और मिश्रित युगल में 18 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन पेस पहले बीटीए के मानद उपाध्यक्ष थे। उन्होंने कहा कि वे बंगाल टेनिस को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वर्ल्ड कप विजेता शेफाली वर्मा का रोहतक में भव्य स्वागत

ढोल-नगाड़ों और फूलों से सजी सड़कों पर उमड़े लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला विश्व कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन कर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली शेफाली वर्मा रविवार को अपने गृह नगर रोहतक पहुंचीं। महिला विश्व कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन कर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली शेफाली वर्मा रविवार को अपने गृह नगर रोहतक पहुंचीं। यह विश्व कप विजय के बाद उनकी पहली घर वापसी थी। दिल्ली-रोहतक हाईवे पर सांपला के पास रोहद टोल प्लाजा पर अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार और प्रशासनिक अधिकारियों ने शेफाली का फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। इस दौरान शेफाली ने अपनी कार की सनरूफ से बाहर आकर हाथ हिलाते हुए लोगों का अभिवादन किया।

चारों ओर भारत माता की जय के नारे गूंजे, लोग तिरंगा लहराते दिखे और देशभक्ति गीतों से पूरा माहौल उत्साह और गर्व से भर गया। इसके बाद शेफाली वर्मा सर्किट हाउस पहुंचीं, जहां उनके सम्मान में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी और पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर सहित कई गणमान्य उपस्थित थे। गोल्डस्मिथ एसोसिएशन से जुड़े और परिवार के सदस्य योगेंद्र वर्मा ने कहा, यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि हरियाणा और रोहतक की बेटी ने देश को विश्व चैंपियन बनाया और अब वह अपने घर लौटी है।

सम्मान समारोह के दौरान मीडिया से बातचीत में शेफाली ने कहा कि पिछला एक साल उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने कहा, मैंने बहुत संघर्ष किया, लगातार मेहनत की और भगवान ने उसका प्रतिफल दिया।

सेमीफाइनल से पहले टीम में शामिल हुई तो एक ही लक्ष्य था–भारत को जीत दिलाना। उन्होंने कहा कि फाइनल मैच में शुरुआत में थोड़ी घबराहट थी, लेकिन उन्होंने खुद को शांत रखते हुए रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया और उसी के अनुसार प्रदर्शन किया।

शेफाली ने कहा, मुझे सेंचुरी नहीं बनाने का कोई अफसोस नहीं है। वर्ल्ड कप जीतना ही असली लक्ष्य था। जब देश जीतता है, तो व्यक्तिगत उपलब्धि मायने नहीं रखती। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री जी ने करीब दो घंटे हमारे साथ बिताए और हमें प्रेरित किया। यह हमारे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। युवा लड़कियों को संदेश देते हुए शेफाली ने कहा, अपने हुनर पर भरोसा रखें और मेहनत करती रहें। अगर विश्वास और निरंतर प्रयास हो, तो कुछ भी असंभव नहीं है।

उन्होंने बताया कि फाइनल से पहले परिवार ने उनका उत्साह बढ़ाया पापा और परिवार ने मुझे मेरे पुराने प्रदर्शन याद दिलाए, जिससे मुझे आत्मविश्वास मिला।